वास्तु हेतु संपर्क करें...
मो.नं. 9074110000 9770888888

दैनिक
साकार भारत
रायपुर-आरएनआई रजि. CHHBIL/2023/88684

वास्तु गुरुजी

वर्ष : 3 अंक : 192 पृष्ठ : 8 मुल्य: 1:00 रायपुर, गुरुवार 23 जुलाई, 2026 www.sakarbharat.com

SHORT NEWS

राज्यसभा में खड़गे बोले- प्रधान इस्तीफा दें, फिर चर्चा करेंगे

नई दिल्ली। संसद के मानसून सत्र के दौरान बुधवार को विपक्ष ने कॉकरोच जनता पार्टी के समर्थकों पर पुलिस कार्रवाई के मुद्दे पर हंगामा किया। हंगामे के बीच लोकसभा-राज्यसभा को गुरुवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया गया है। राज्यसभा में मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि, वे सदन में नीट पेपर लीक मामले में चर्चा तभी चाहते हैं जब शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा दे दें। सदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने लोकसभा में कहा कि सरकार पिछले तीन दिनों से लगातार हृश्वश्वज्ञ पेपर लीक के मुद्दे पर चर्चा की पेशकश कर रही है। लेकिन विपक्ष मुद्दे पर राजनीति कर रहा है।

पीएम जनमन आवास योजना से मनबहाल पहाड़ी कोरवा के जीवन में आया बदलाव

रायपुर। प्रधानमंत्री जनमन (प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान) आवास योजना विशेष पिछड़ी जनजातियों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही है। सरगुजा जिले के दूरस्थ क्षेत्रों में रहने वाले पात्र परिवार अब कच्चे और असुरक्षित घरों से निकलकर पक्के एवं सम्मानजनक आवास में जीवनयापन कर रहे हैं। मैनपाट विकासखंड की ग्राम पंचायत कलजीवा निवासी मनबहाल पहाड़ी कोरवा इसका प्रेरक उदाहरण हैं।

वैयाकला में हर घर पहुंचा जल हर घर जल योजना

रायपुर। कभी सुबह की शुरुआत पानी की तलाश से होती थी। गांव की महिलाएं सिर पर घड़े रखकर दूर-दूर तक पानी लाने जाती थीं। गर्मी के दिनों में यह परेशानी और भी बढ़ जाती थी। लेकिन आज महासमुंद जिला, विकासखंड पिथौरा के ग्राम पंचायत टेका अंतर्गत ग्राम सेवैयाकला में अब गांव के हर घर में नल से स्वच्छ पेयजल पहुंच रहा है और पानी की चिंता अतीत की बात बन गई है। केन्द्र सरकार एवं छत्तीसगढ़ शासन की महत्वाकांक्षी जल जीवन मिशन हर घर जल योजना के तहत 25 जून 2026 को सेवैयाकला ने हर घर जल का लक्ष्य हासिल कर लिया।

अग्निवीरों को सरकारी नौकरी में 10% आरक्षण

चार साल की सेवा जरूरी, खाद की व्यवस्था के लिए बनेगी मंत्री उप समिति, कैबिनेट का फैसला

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में बुधवार को मंत्रालय महानदी भवन में हुई कैबिनेट बैठक में किसानों और अग्निवीर सैनिकों से जुड़े दो अहम फैसलों पर मुहर लगी है। कैबिनेट ने खरीफ और रबी सीजन में किसानों को समय पर खाद मुहैया कराने के लिए मंत्री-मंडलीय उप समिति के गठन को मंजूरी दी है। यह समिति खाद की आपूर्ति, वितरण और प्रबंधन की निगरानी करेगी और सरकार को जरूरी सुझाव देगी।

समिति की अध्यक्षता उप मुख्यमंत्री करेंगे। इसमें कृषि, सहकारिता और वित्त मंत्री सदस्य होंगे। कृषि उत्पादन आयुक्त समिति के संयोजक रहेंगे। जरूरत पड़ने पर अधिकारी, विशेषज्ञ और अन्य संस्थाओं के प्रतिनिधियों को भी बैठक में बुलाया जा सकेगा।

समिति का मुख्य उद्देश्य किसानों को खरीफ और रबी सीजन में समय पर खाद मुहैया कराना और किसी भी तरह की कमी या वितरण संबंधी समस्या का समाधान करना है।

किन अग्निवीरों को मिलेगा फायदा

आरक्षण का लाभ उन अग्निवीर सैनिकों को मिलेगा, जिन्होंने भारतीय सशस्त्र बलों में चार साल की सेवा पूरी करने के बाद वैध सेवा प्रमाण पत्र के साथ सेवामुक्ति प्राप्त की हो। यह फैसला मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की ओर से 26 जुलाई 2024 को विधानसभा में की गई घोषणा के पालन में लिया गया है।

अग्निवीरों को सरकारी नौकरी में 10% आरक्षण

कैबिनेट ने राज्य में अग्निवीर सैनिकों के लिए तृतीय श्रेणी के सरकारी पदों पर 10 प्रतिशत आरक्षण देने का फैसला लिया है। इसके लिए 'छत्तीसगढ़ अग्निवीर सैनिक आरक्षण नियम-2026' बनाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। यह आरक्षण पुलिस विभाग में आरक्षक, वन विभाग में वनरक्षक और जेल विभाग में प्रहरी की सीधी भर्ती में लागू होगा।

अनुभव का मिलेगा लाभ

सरकार का कहना है कि इस फैसले से अग्निवीरों को सम्मानजनक रोजगार मिलेगा। साथ ही उनके अनुशासन और अनुभव का लाभ पुलिस, वन और जेल विभाग को भी मिलेगा।

मानसून सत्र के विधेयकों को मंजूरी

बिजली भुगतान की नई व्यवस्था, उद्योगों को बढ़ावा देने की तैयारी, बस्तर-फाइटर्स के नियमों में बदलाव: मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में बुधवार को हुई कैबिनेट बैठक में सरकार ने कई बड़े फैसले लिए हैं। बैठक में बिजली व्यवस्था को बेहतर बनाने, उद्योगों में निवेश बढ़ाने, कारोबार की प्रक्रिया आसान करने, जीएसटी से जुड़े नियमों में बदलाव और शिक्षा से जुड़े कई अहम प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। इसके अलावा नवा रायपुर, पर्यावरण और किरायेदारी कानून से जुड़े मामलों पर भी कैबिनेट ने बड़े निर्णय लिए हैं।३

सीसीटीएनएस को और सशक्त बनाने उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक

रायपुर। छत्तीसगढ़ में नवीन भारतीय न्याय संहिता के प्रभावी क्रियान्वयन तथा न्याय प्रक्रिया को तकनीक आधारित, सरल एवं त्वरित बनाने की दिशा में उप मुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री विजय शर्मा एवं स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने मंगलवार को क्राइम एंड क्रिमिनल ट्रेकिंग नेटवर्क एंड सिस्टम (सीसीटीएनएस) की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक ली। बैठक में सीसीटीएनएस के संचालन में आ रही व्यवहारिक चुनौतियों, विभिन्न डिजिटल मॉड्यूल के एकीकरण तथा न्यायिक एवं पुलिस व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने के लिए विस्तृत चर्चा की गई।

उप मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि नवीन भारतीय न्याय संहिता के अनुरूप अपराधों की विवेचना, साक्ष्य संकलन, न्यायालयीन प्रक्रिया तथा विभिन्न विभागों के बीच समन्वय को पूर्णतः डिजिटल और समयबद्ध बनाना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने निर्देश दिए कि सीसीटीएनएस के माध्यम से न्याय प्रक्रिया के प्रत्येक चरण को अधिक सुगम, पारदर्शी और नागरिक हितैषी बनाया जाए।

बैठक में ई-एफआईआर, ई-चालान, ई-साक्ष्य, मेडलीपार, ई-प्रिजन, ई-फोरेंसिक, सीआईएस, न्याय श्रुति तथा अन्य डिजिटल प्रणालियों को सीसीटीएनएस के साथ प्रभावी रूप से संचालित करने पर विस्तार से चर्चा हुई। उप मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इन सभी मॉड्यूलों के बीच समन्वय स्थापित कर न्याय प्रक्रिया को अधिक तेज और पारदर्शी बनाया जाए, जिससे नागरिकों को त्वरित न्याय उपलब्ध हो सके।

शर्मा ने कहा कि डिजिटल साक्ष्यों का महत्व लगातार बढ़ रहा है। उन्होंने निर्देश दिए कि राज्य के सभी जिलों में पुलिस अधिकारियों एवं संबंधित कर्मचारियों को ई-साक्ष्य प्रणाली का व्यापक प्रशिक्षण दिया जाए, ताकि डिजिटल साक्ष्यों का संकलन, संरक्षण एवं न्यायालय में प्रस्तुतिकरण पूरी दक्षता के साथ किया जा सके। बैठक में न्याय श्रुति प्रणाली को शीघ्र प्रारंभ करने पर भी चर्चा हुई। उप मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि उच्च न्यायालय के माध्यम से सभी न्यायाधीशों की आवश्यक आईडी तैयार कराकर न्याय श्रुति प्रणाली को जल्द से जल्द गो-लाइव किया जाए, जिससे न्यायालयीन प्रक्रियाओं में तकनीक का अधिक प्रभावी उपयोग सुनिश्चित हो सके।

छत्तीसगढ़ राइफल एसोसिएशन 25वीं राज्य शूटिंग प्रतियोगिता मे शिफा ख्वाजा ने दो गोल्ड व एक सिल्वर पदक जीते

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य स्तरीय गन शूटिंग प्रतियोगिता (25वीं छत्तीसगढ़ राज्य शूटिंग चैंपियनशिप) का आयोजन रायपुर के चौथी वाहिनी माना कैंप स्थित शूटिंग रेंज में 11 जुलाई से 21 जुलाई 2026 तक किया गया है, जिसमें प्रदेशभर के निशानेबाजों ने हिस्सा ले अपनी किस्मत आजमाई शिफा ख्वाजा ने इस 25 वीं 50 मीटर प्रोन इवेंट राज्य निशानेबाजी प्रतिस्पर्धा मे दो गोल्ड व एक सिल्वर पदक प्राप्त कर जीत हासिल कर छत्तीसगढ़ को गौरवान्वित किया शिफा ख्वाजा रायपुर सड्डू निवासी है इनके पिता अफरोज ख्वाजा अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग में है वहीं, शिफा ख्वाजा ने अपनी इस सफलता का श्रेय अपने मेडम शक्ति चंद्र सर निशांत झा व माता पिता को दिया है।

शिफा के बड़े भाई अयान ख्वाजा ने ऑल इंडिया लेबल मे गोल्ड,सिल्वर व ब्रांच मैडल जीत कर छत्तीसगढ़ का नाम सम्पूर्ण भारत रोशन किया है

शिक्षा ही सफलता का मूल मंत्र है, कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे : पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल

रायपुर। सरगुजा जिले में शैक्षणिक सत्र 2026-27 की उत्साहपूर्ण शुरुआत जिला स्तरीय शाला प्रवेश उत्सव के साथ हुई। पी.जी. कॉलेज ऑडिटोरियम में आयोजित इस गरिमामय कार्यक्रम में पर्यटन, संस्कृति, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व मंत्री राजेश अग्रवाल ने विद्यालय की घंटी बजाकर नवप्रवेशी बच्चों का स्वागत किया और उन्हें तिलक लगाकर, पुष्पमाला पहनाकर तथा मिठाई खिलाकर विद्यालय में प्रवेश दिलाया। पूरे कार्यक्रम में शिक्षा के प्रति उत्साह, बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की आशा और समाज को शिक्षित बनाने का संकल्प स्पष्ट रूप से दिखाई दिया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राजेश अग्रवाल ने कहा कि बच्चों के बीच उपस्थित होकर उन्हें विद्यालय की नई शुरुआत के लिए प्रेरित करना अत्यंत गौरव का विषय है। उन्होंने कहा कि शिक्षा ही सफलता का मूल मंत्र है और यही वह आधार है जो व्यक्ति के जीवन में ज्ञान, कौशल, आत्मविश्वास तथा समृद्धि का मार्ग प्रशस्त करता है। उन्होंने कहा कि शासन का उद्देश्य केवल बच्चों का नामांकन कराना नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करना है कि प्रत्येक बच्चा नियमित रूप से विद्यालय पहुंचे, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करे और अपने सपनों को साकार करे।

यूपीएससी 2025 के छत्तीसगढ़ टॉपरों ने वित्त मंत्री ओपी चौधरी से की सौजन्य मुलाकात

रायपुर। संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) परीक्षा 2025 में उत्कृष्ट सफलता हासिल करने वाले छत्तीसगढ़ के टॉपर अभ्यर्थियों ने आज रायपुर में वित्त मंत्री श्री ओपी चौधरी से सौजन्य भेंट की। इस दौरान वित्त मंत्री ने सभी सफल अभ्यर्थियों को उनकी उल्लेखनीय उपलब्धि पर हार्दिक बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने कहा कि यूपीएससी जैसी प्रतिष्ठित परीक्षा में सफलता कठिन परिश्रम, अनुशासन, धैर्य और दृढ़ संकल्प का परिणाम होती है। छत्तीसगढ़ के इन प्रतिभाशाली युवाओं ने अपनी मेहनत और लगन से न केवल अपने परिवार, शिक्षकों और मार्गदर्शकों का नाम रोशन किया है, बल्कि पूरे प्रदेश को गौरवान्वित किया है। उन्होंने कहा कि इन युवाओं की सफलता प्रदेश के लाखों विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा है। यह उपलब्धि बताती है कि समर्पण और निरंतर प्रयास के बल पर कोई भी लक्ष्य हासिल किया जा सकता है।

जनजातीय बालिकाओं के सर्वांगीण विकास का सशक्त माध्यम बनेगा शबरी वाचनालय : राज्यपाल रमेन डेका

रायपुर। राज्यपाल श्री रमेन डेका ने आज वनवासी विकास समिति, छत्तीसगढ़ द्वारा जनजातीय बालिकाओं में अध्ययन, ज्ञानार्जन एवं पठन-पाठन की संस्कृति को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से स्थापित शबरी वाचनालय का उद्घाटन किया। वाचनालय की स्थापना के लिए राज्यपाल द्वारा अपने स्वेच्छानुदान मद से आर्थिक सहायता प्रदान की गई है।

इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि शबरी वाचनालय एक दूरदर्शी पहल है, जो जनजातीय बालिकाओं के लिए अध्ययन, चिंतन, आत्मविकास एवं व्यक्तित्व निर्माण का सशक्त केंद्र बनेगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यहां अध्ययन करने वाली बालिकाएं ज्ञान एवं शिक्षा के बल पर प्रतियोगी परीक्षाओं सहित जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त करेंगी। उनकी उपलब्धियां न केवल उनके परिवार, बल्कि समाज और राष्ट्र का गौरव भी बढ़ाएंगी।

उन्होंने कहा कि शबरी कन्या आश्रम वर्षों से जनजातीय बालिकाओं को केवल आश्रय और शिक्षा ही नहीं, बल्कि संस्कार, आत्मविश्वास, आत्मनिर्भरता तथा राष्ट्रसेवा की भावना भी प्रदान कर रहा है। इसी का परिणाम है कि यहां से शिक्षा प्राप्त करने वाली अनेक बालिकाएं आज शिक्षा, स्वास्थ्य, प्रशासन तथा समाज सेवा सहित विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। राज्यपाल ने कहा कि छत्तीसगढ़ प्राकृतिक संपदा एवं समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से परिपूर्ण राज्य है। यहां की संस्कृति का संबंध रामायण काल की परंपराओं से है। उन्होंने कहा कि असम और छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक परंपराओं में अनेक समानताएं हैं तथा दोनों राज्यों की सांस्कृतिक धारा भगवान श्रीराम से जुड़ी हुई है। ऐसे गौरवशाली सांस्कृतिक परिवेश का हिस्सा होना हम सभी के लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय इंटरनेट और तकनीक का युग है। तेजी से बदलती जीवनशैली के बीच जीवन मूल्यों को बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है। परिवार और समाज के प्रति संवेदनशीलता, संतोष और सकारात्मक सोच ही जीवन को सार्थक बनाती है।

सभी किसानों को एग्रीस्टैक पोर्टल में अनिवार्य रूप से पंजीयन कराने हेतु की गई अपील

बालोद। छत्तीसगढ़ शासन के मंशानुरूप बालोद जिले में किसानों को शासकीय योजनाओं का लाभ सुगमता से दिलाने हेतु एग्रीस्टैक पंजीयन का कार्य विशेष प्राथमिकता के साथ किया जा रहा है।

कलेक्टर दिव्या उमेश मिश्रा ने जिले के सभी कृषकों से शासन के जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ लेने हेतु अपने प्रत्येक खातों का एग्रीस्टैक पोर्टल में अनिवार्य रूप से पंजीयन कराने की अपील की गई है। जिससे कि धान एवं अन्य फसलों के समर्थन मूल्य पर बिक्री एवं शासन के विभिन्न किसान हितैषी योजना का लाभ लेने हेतु किसी भी प्रकार की कठिनाई न हो सके।

ज्ञातव्य हो कि बालोद जिला प्रशासन द्वारा इस संबंध में जिले के सभी किसानों एवं संयुक्त खाताधारकों के लिए आवश्यक सूचना जारी की गई है। जिससे वे समय रहते अपना पंजीयन सुनिश्चित करा सकें। जारी सूचना में बताया गया है कि यदि किसी एक ऋण पुस्तिका या खाते में 2, 3 या 4 लोगों के नाम दर्ज हैं, तो उन सभी संयुक्त खाताधारकों का अलग-अलग एग्रीस्टैक पंजीयन कराना अनिवार्य है। इसके अलावा जिन किसानों के नाम एक ही खाते में अलग-अलग खसरा नंबर दर्ज हैं, उन सभी संबंधित खाताधारकों को उन्हीं खसरा नंबरों पर अपना पंजीयन कराना होगा। पंजीयन न होने की स्थिति में किसानों को धान एवं अन्य फसलों के समर्थन मूल्य पर विक्रय में परेशानी हो सकती है, साथ ही शासन की विभिन्न किसान-हितैषी योजनाओं का लाभ मिलने में भी कठिनाई आ सकती है। इसके अलावा इस संबंध में अधिक जानकारी के लिए किसान अपने क्षेत्र के ग्राम पंचायत, पटवारी, कृषि विभाग, सेवा सहकारी समिति अथवा लोक सेवा केंद्र से भी संपर्क कर सकते हैं।

सेवा सेतु पोर्टल से नागरिकों को मिल रही त्वरित और पारदर्शी सेवाएं

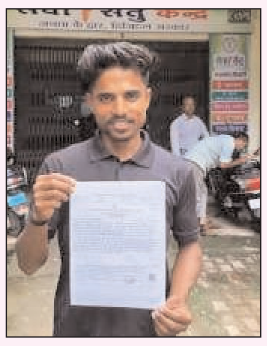

अम्बिकापुर। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा डिजिटल सुशासन को सशक्त बनाने के उद्देश्य से प्रारंभ किया गया 'सेवा सेतु केंद्र' आम नागरिकों के लिए सुविधाजनक, पारदर्शी एवं समयबद्ध सेवाओं का प्रभावी माध्यम बनकर उभर रहा है। केंद्र के माध्यम से अब लोगों को विभिन्न विभागों की 441 से अधिक शासकीय सेवाएं एक ही ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध हो रही हैं। इससे नागरिकों को सरकारी कार्यालयों में जाना नहीं पड़ता तथा सेवाओं का लाभ भी समय पर मिल रहा है।

सरगुजा जिले के ग्राम मेंड्राखुर्द के रहने वाले सूरज भी सेवा सेतु पोर्टल से लाभान्वित होने वाले हितग्राहियों में शामिल हैं। उन्होंने बताया कि उन्हें अपने जाति प्रमाण पत्र की आवश्यकता थी। इसके लिए उन्होंने सेवा सेतु केंद्र में आवेदन प्रस्तुत किया। आवेदन के बाद मात्र 12 दिनों के भीतर उनका जाति प्रमाण पत्र बनकर तैयार हो गया, जिससे उन्हें किसी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ा।

उन्होंने बताया कि भूमि पंजीयन (रजिस्ट्री) की प्रक्रिया में जाति प्रमाण पत्र की आवश्यकता थी। समय पर प्रमाण पत्र उपलब्ध होने से भूमि पंजीयन से संबंधित कार्य भी आसानी और शीघ्रता से पूरा हो सका। पहले जहां ऐसे कार्यों के लिए कई बार शासकीय कार्यालयों जाना पड़ता था, वहीं सेवा सेतु के माध्यम से पूरी प्रक्रिया सरल और सुगम हो गई।

सूरज ने कहा कि सेवा सेतु के माध्यम से उनका कार्य जल्दी हो गया और उन्हें किसी प्रकार की परेशानी नहीं हुई। उन्होंने कहा कि 'इस सेवा सेतु में बहुत अच्छा काम हो रहा है। मेरा काम जल्दी हो गया और सारी परेशानी खत्म हो गई। इसके लिए मैं मुख्यमंत्री विष्णु देव साय जी को धन्यवाद देता हूं। उल्लेखनीय है कि राज्य शासन द्वारा पूर्व में संचालित ई-डिस्ट्रिक्ट पोर्टल के माध्यम से 86 सेवाएं उपलब्ध कराई जाती थीं।

कलेक्टर ने जनदर्शन में सुनी आमजनों की समस्याएं

कोण्डागांव। कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना ने मंगलवार को जिला कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित साप्ताहिक जनदर्शन में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे आम नागरिकों की समस्याएं एवं मांगें सुनीं। उन्होंने प्राप्त सभी आवेदनों का गंभीरतापूर्वक अवलोकन करते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जनदर्शन में ग्राम करण्डी निवासी रैसिंह मण्डावी वन अधिकार पत्र की मांग की, ग्राम खण्डसरा निवासी रामकरू सलाम ने प्राथमिक शाला खण्डसरा हेतु शिक्षक की मांग की, ग्राम कुम्हारपारा के युवाओं ने खेल मैदान की मांग की, ग्राम गुमड़ी मुंडापारा के ग्रामीणों ने नवीन आंगनबाड़ी की मांग की, ग्राम बेलगांव नयापारा निवासी हरिराम नाग ने शाला भवन मरम्मत एवं बांड्रीवाल निर्माण की मांग की। इसके अलावा ग्राम निचिपारा कोलंगा निवासी कुमार सिंह मरकाम ने निचिपारा से मड़कड़ा मार्ग स्थित नदी में पुल की मांग की।

एग्रीस्टेक पंजीयन के लिए खाता विभाजन जैसे प्रकरणों को तत्काल निराकरण करें : कलेक्टर

महासमुंद। कलेक्टर विनय कुमार लंगेह ने आज सुबह 10:00 बजे आयोजित समय-सीमा की बैठक में विभिन्न विभागों की योजनाओं एवं कार्यक्रमों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में जिला पंचायत सीईओ अनुपमा आनंद, अपर कलेक्टर सचिन भूतड़ा, रवि साहू सहित सभी एसडीएम, तहसीलदार, जनपद पंचायत सीईओ, सीएमओ एवं जिला स्तरीय अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े रहे।

बैठक में कलेक्टर लंगेह ने सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों की समीक्षा करते हुए कहा कि सीएम हेल्पलाइन के अंतर्गत प्राप्त शिकायतों का समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण निराकरण किया जाए। सभी विभागीय अधिकारियों को नियमित रूप से पोर्टल में लॉगिन कर लंबित शिकायतों का त्वरित निपटारा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। समीक्षा के दौरान बताया गया कि जिले में 626 प्रकरणों का फीडबैक सहित निराकरण किया गया है। जिले में सीएम हेल्पलाइन अंतर्गत 3041 शिकायत प्राप्त हुए हैं। कलेक्टर ने आगामी स्वतंत्रता दिवस की तैयारी के लिए निर्देश दिए हैं, उन्होंने कहा कि प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी गरिमापूर्ण तरीके से स्वतंत्रता दिवस समारोह मनाया जाएगा।

कलेक्टर लंगेह ने वर्षा की स्थिति को देखते हुए कृषि विभाग को निर्देशित किया कि किसानों को खरीफ सीजन में धान के बदले दलहन, तिलहन फसलों को प्राथमिकता देने प्रोत्साहित करें। साथ ही प्राकृतिक खेती, जैविक खेती तथा हरी खाद के उपयोग को व्यापक रूप से प्रोत्साहित करने को कहा। उन्होंने किसानों को रासायनिक उर्वरकों के संतुलित एवं वैज्ञानिक उपयोग के प्रति जागरूक करने तथा यूरिया एवं डीएपी के संतुलित उपयोग के साथ नैनो यूरिया एवं प्राकृतिक खाद के उपयोग को भी बढ़ावा देने के निर्देश दिए। उन्होंने शेष किसानों एवं वनाधिकार पट्टाधारकों का एग्रीस्टैक पंजीयन शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी एसडीएम, तहसीलदार, राजस्व एवं कृषि विभाग के मैदानी अमले को विशेष ध्यान देते हुए शत-प्रतिशत पंजीयन सुनिश्चित करने कहा।

कलेक्टर ने खाद की उपलब्धता की समीक्षा करते हुए कहा कि शासन के निर्देशानुसार किसानों को यूरिया का आवश्यकतानुसार एकमुश्त मात्रा में प्रदान किया जाए, शेष खाद निर्देशानुसार प्रदान करें। कृषि विभाग के अधिकारी ने बताया कि जिले में कुल 81 हजार 574 मीट्रिक टन खाद का भण्डारण किया गया है, जिसमें 63 हजार मीट्रिक टन का वितरण किया गया है। वहीं धान के बदले अन्य फसल के मामले में 7 हजार 700 हेक्टेयर रकबे का चिन्हांकन कर लिया गया है। कलेक्टर ने कहा कि एग्रीस्टेक पंजीयन किसानों के लिए महत्वपूर्ण है, इसमें खाता विभाजन के प्रकरणों को विशेष महत्व दें। संस्थागत पंजीयन के मामले को भी प्राथमिकता से समाधान किया जाए। उन्होंने कहा कि किसानों को समसामयिक सलाह देते रहें। कलेक्टर ने खाद के वितरण में तेजी लाने के निर्देश दिए। सभी अनुविभागीय अधिकारी राजस्व को समय-समय में खाद वितरण की मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए गए। बैठक के दौरान जिला पंचायत सीईओ अनुपमा आनंद द्वारा वीबी-जी राम जी, एनआरएलएम आदि की समीक्षा की गई।

कलेक्टर ने मुख्यमंत्री द्वारा की गई घोषणाओं के अनुरूप स्वीकृत कार्यों के क्रियान्वयन की समीक्षा की। कलेक्टर ने शासन के निर्देशानुसार सभी विभागों को ई-ऑफिस एवं ई-फाइल प्रणाली का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने कहा है। बैठक में राजस्व विभाग को खाता विभागजन के निर्देश दिए।

योग के माध्यम से नशा मुक्ति का संदेश, योग आयोग के अध्यक्ष ने दिलाई शपथ

कांकेर। छत्तीसगढ़ शासन योग आयोग के अध्यक्ष संजय अग्रवाल ने बस्तर प्रवास के दौरान जिले में समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित संस्थाओं का भ्रमण किया। भ्रमण के दौरान वे विशेष विद्यालय कोदाभाट पहुंचे, जहां दिव्यांग विद्यार्थियों ने पुष्पगुच्छ एवं तिलक लगाकर उनका आत्मीय स्वागत किया।

इसके अलावा विद्यार्थियों ने अपने हाथों से बनाया गया रेखाचित्र भेंट किया तथा गीत-संगीत की प्रस्तुति देकर सभी अतिथियों को प्रभावित किया। बच्चों की प्रतिभा की सराहना करते हुए अग्रवाल ने उन्हें नियमित योग करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने योग को स्वस्थ जीवन और नशामुक्त समाज का प्रभावी माध्यम बताते हुए लोगों को नशा मुक्ति की शपथ दिलाई। इसके बाद अग्रवाल ने गोविंदपुर स्थित कल्याणी नशामुक्ति केंद्र पहुंचकर लाभार्थियों से चर्चा की तथा प्रतिदिन योग और ध्यान को जीवन का हिस्सा बनाने तथा नशे से दूर रहने का संदेश दिया। इस अवसर पर सभी ने नशा मुक्ति की शपथ भी ली गई। कार्यक्रम में समाज कल्याण विभाग की उपसंचालक क्षमा शर्मा सहित आशीष शोरी, राजकुमार पटेल, सीता नाग, गंगा नेताम एवं विभागीय अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

विद्युत आपूर्ति बाधित होने पर तत्काल करें समाधान : कलेक्टर

जांजगीर-चांपा । कलेक्टर जन्मेजय महोबे ने आज छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण विभाग के अधिकारियों की समीक्षा बैठक लेकर जिले में विद्युत आपूर्ति व्यवस्था, उपभोक्ताओं से प्राप्त शिकायतों के निराकरण तथा प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के क्रियान्वयन की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि आमजन से प्राप्त बिजली संबंधी शिकायतों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित किया जाए तथा पीएम सूर्यघर योजना के पात्र हितग्राहियों को शीघ्र लाभान्वित करने के लिए सभी आवश्यक प्रक्रियाओं में तेजी लाई जाए।

बैठक में कलेक्टर ने कहा कि बारिश एवं तेज हवा के दौरान विद्युत आपूर्ति प्रभावित होने की स्थिति में शिकायतों के त्वरित निराकरण के लिए प्रत्येक क्षेत्र के सहायक अभियंता एवं कनिष्ठ अभियंता के संपर्क हेतु क्षेत्रवार जानकारी उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि ट्रांसफॉर्मर खराब होने, लो-वोल्टेज, विद्युत आपूर्ति बाधित होने तथा अन्य तकनीकी समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र निराकरण किया जाए। साथ ही क्षेत्रों की नियमित मॉनिटरिंग कर विद्युत व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के निर्देश भी दिए। बैठक में विद्युत विभाग के अधिकारी द्वारा जानकारी दी गई कि जांजगीर एवं चांपा शहर के उपभोक्ताओं की सुविधा के लिए 24म7 कॉल सेंटर संचालित किया जा रहा है। जांजगीर (नैला जोन) के लिए 6262045898 एवं 9171887873 तथा चांपा (चांपा जोन) के लिए 7400729488 हेल्पलाइन नंबर जारी किए गए हैं, जिन पर उपभोक्ता विद्युत संबंधी शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

स्वतंत्रता दिवस : साप्ताहिक समीक्षा बैठक में अधिकारियों को सौंपी गई मुख्य जिम्मेदारियां

दंतेवाड़ा। कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट के सभाकक्ष में साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक हुई। बैठक में सर्वप्रथम आगामी स्वतंत्रता दिवस के परिप्रेक्ष्य में आवश्यक तैयारियां के रूप रेखा के संबंध में दिशा निर्देश दिए गए। इसके अनुसार प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी स्वतंत्रता दिवस का दंतेवाड़ा में गरिमामय पूर्ण रूप से आयोजित किया जायेगा।

मुख्य समारोह में मुख्य अतिथि के द्वारा ध्वजारोहण किया जाएगा तथा पुलिस एवं नगर सैनिकों की टुकड़ियों द्वारा सलामी ली जाएगी। मुख्य अतिथि द्वारा प्रदेश के मुख्यमंत्री द्वारा जनता के नाम प्रेषित संदेश का वाचन किया जाएगा। इसके साथ ही स्वतंत्रता दिवस के सफल आयोजन हेतु पूर्व की भांति अन्य विभागों को दायित्व सौंपे गये। इस संबंध मे आगे कहा गया कि जनपद पंचायत कार्यालयों में जनपद पंचायत अध्यक्ष और नगरी निकायों में नगरीय निकायों के अध्यक्ष द्वारा ध्वजारोहण किया जायेगा। तथा स्कूली बच्चो के सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होंगे साथ ही सभी शासकीय भवनों, स्मारकों में रोशनी की जाएगी। अन्य वर्ष की तरह शासकीय भवनों, ऐतिहासिक स्थानों के साथ-साथ निजी संस्थानों में भी राष्ट्रीय झंडा वंदन होगें। बैठक में इसके अलावा आगामी स्वतंत्रता दिवस समारोह के गरिमामय आयोजन की आवश्यक रूपरेखा तैयार कर विभागवार दायित्व सौंपा गया। इसके अन्तर्गत मुख्य समारोह में मुख्य अतिथि द्वारा ध्वजारोहण के पश्चात प्रदेश के मुख्यमंत्री द्वारा जनता के नाम प्रेषित संदेश का वाचन, उत्कृष्ट सेवा प्रदान करने वाले कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान करने, कार्यक्रम में पेयजल, चिकित्सा, स्वल्पाहार, सांस्कृतिक कार्यक्रमों,, मंच स्थल की साज-सज्जा, सुरक्षा व्यवस्था के संबंध में पुलिस विभाग, लोक निर्माण विभाग, पीएचई, शिक्षा, स्वास्थ्य, उद्यानिकी, वन विभाग, आदिम जाति विभाग, जिला पंचायत, खाद्य विभाग को दायित्व सौंपे गए। इसके साथ ही कलेक्टर ने समय सीमा सीएम हेल्पलाइन सेवा सेतु 2.0 के अंतर्गत विभागों को प्राप्त आवेदनों एवं निराकरण के संबंध में कहा कि सभी विभाग प्रमुख समय सीमा से बाहर हो चुके आवेदनों का तत्काल निराकरण करना सुनिश्चित करें। क्योंकि निर्धारित समय सीमा के आवेदन डैशबोर्ड पर दर्शित होंगे और अनिराकृत आवेदन वरिष्ठ कार्यालय में स्वमेव ही प्रेषित हो जाएगे। इसलिए सभी विभाग प्रमुख इस तथ्य के प्रति सचेत रहे।

कलेक्टर ने साप्ताहिक जनदर्शन में आमजनो की सुनी समस्याएं, 39 आवेदन हुए प्राप्त

जांजगीर-चांपा । कलेक्टर जन्मेजय महोबे ने कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आयोजित साप्ताहिक जनदर्शन में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे नागरिकों से संवाद कर उनकी समस्याओं को सुना तथा संबंधित विभागों के अधिकारियों को प्रकरणों का समय-सीमा में प्राथमिकता के साथ निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। आज जनदर्शन में कुल 39 आवेदन प्राप्त हुए। जनदर्शन में आज तहसील बलौदा अंतर्गत ग्राम जर्वे ब निवासी संतोष केंवट द्वारा प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम अंतर्गत सूक्ष्म एवं लघु उद्योग हेतु ऋण दिलाने, तहसील अकलतरा अंतर्गत ग्राम कापन निवासी सहेत्तर यादव द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाने, तहसील मुख्यालय चांपा के नया पारा निवासी घनश्याम देवांगन द्वारा आर्थिक सहायता प्रदान करने के संबंध में आवेदन प्रस्तुत किया गया। जनदर्शन में सीमांकन, नामांतरण, अतिक्रमण, पेंशन, राशन कार्ड, रोजगार सहित विभिन्न विभागों से जुड़े आवेदन प्राप्त हुए। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक आवेदन का परीक्षण कर पात्र हितग्राहियों को शासन की योजनाओं का लाभ दिलाना सुनिश्चित करें।

टपकती छत की लाचारी से अपने पक्के मकान की खुशी तक, जानें क्रांती बाई की संबल भरी कहानी

जांजगीर-चांपा । प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) ग्रामीण क्षेत्रों के आर्थिक रूप से कमजोर एवं आवासहीन परिवारों के लिए सम्मानजनक जीवन का आधार बन रही है।

इस योजना के माध्यम से हजारों जरूरतमंद परिवारों को सुरक्षित एवं पक्के आवास उपलब्ध हो रहे हैं। ऐसी ही एक प्रेरणादायक सफलता की कहानी जनपद पंचायत नवागढ़ अंतर्गत ग्राम पंचायत अमोरा की निवासी क्रांती बाई, पति राम सागर की है, जिनका वर्षों पुराना पक्के घर का सपना आज साकार हो गया है। क्रांती बाई अपने परिवार के साथ एक जर्जर कच्चे मकान में निवास करती थीं। बरसात के मौसम में घर की छत से पानी टपकता था और परिवार को कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण स्वयं पक्का मकान बनाना उनके लिए संभव नहीं था।

वित्तीय वर्ष 2025-26 में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत उनका चयन हुआ। ग्राम सभा की अनुशंसा एवं आवश्यक दस्तावेजों की प्रक्रिया पूर्ण होने के पश्चात उन्हें योजना का लाभ प्रदान किया गया। योजना के अंतर्गत 1.20 लाख रुपए की वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई गई। इसके साथ ही स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के अंतर्गत शौचालय निर्माण के लिए 12,000 की प्रोत्साहन राशि भी प्रदान की गई। ग्राम पंचायत अमोरा के सरपंच, सचिव, रोजगार सहायक तथा तकनीकी अमले के सहयोग से निर्धारित समय में आवास

निर्माण कार्य पूर्ण हुआ। आज क्रांती बाई का परिवार अपने नए पक्के, स्वच्छ एवं सुरक्षित आवास में सुखपूर्वक निवास कर रहा है। वे प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहती हैं, पहले बरसात का मौसम हमारे लिए चिंता लेकर आता था, लेकिन अब हमें सुरक्षित पक्का घर मिल गया है। हमारे बच्चों का भविष्य भी अब सुरक्षित महसूस होता है। इसके लिए हम शासन के प्रति आभार व्यक्त करते हैं।

प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के प्रभाव से ग्राम पंचायत में रोजगार के अवसर बढ़े हैं, स्थानीय श्रमिकों को काम मिला है तथा अन्य योजनाओं के अभिसरण से स्वच्छता एवं मूलभूत सुविधाओं का विस्तार हुआ है। योजना ने महिलाओं के सम्मान और सामाजिक सशक्तिकरण को भी बढ़ावा दिया है। साथ ही, ऑनलाइन एवं पारदर्शी प्रक्रिया के माध्यम से हितग्राहियों को समयबद्ध रूप से योजना का लाभ प्राप्त हो रहा है। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) यह सिद्ध कर रही है कि एक पक्का आवास केवल रहने का स्थान नहीं, बल्कि सम्मान, सुरक्षा और आत्मविश्वास का प्रतीक है। क्रांती बाई की यह सफलता की कहानी शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन का उत्कृष्ट उदाहरण है, जो ग्रामीण परिवारों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन ला रही है। कलेक्टर जन्मेजय महोबे के निर्देश दिए है कि पीएम आवास निर्माण कार्य में तेजी लाते हुए उसे निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण कराएं, ताकि मानसून के दौरान सुरक्षित एवं पक्के आवास का लाभ मिल सके। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि आवास निर्माण कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग करें, किसी भी स्तर पर अनावश्यक विलंब न होने दें तथा सभी लंबित आवासों को समयबद्ध रूप से पूर्ण कराना सुनिश्चित करें। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी विनय कुमार पोयाम ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि आवास निर्माण के प्रत्येक चरण का समय पर जियो-टैगिंग सुनिश्चित किया जाए, ताकि हितग्राहियों को किस्त की राशि बिना विलंब उनके बैंक खातों में अंतरित हो सके।

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजनाः बालोद के महेश कुमार का बिजली बिल हुआ 'शून्य'

बालोद । शासन की पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना आम नागरिकों के लिए न केवल महंगाई से राहत देने वाली साबित हो रही है, बल्कि यह आर्थिक समृद्धि का नया रास्ता भी खोल रही है। भारी-भरकम बिजली बिल से परेशान बालोद जिले के निवासी महेश कुमार साहू का बिजली बिल अब सिमटकर सीधे 'शून्य' हो गया है। महेश कुमार साहू ने लगभग एक वर्ष पूर्व इस योजना से प्रेरित होकर अपने घर की छत पर 05 किलोवाट का सोलर पैनल लगवाया था। सोलर पैनल लगाने से पहले महेश के घर हर महीने औसतन ढाई हजार से पाँच हजार तक का बिजली बिल आता था, जिससे उनके बजट पर काफी असर पड़ता था। लेकिन अब सोलर पैनल से चालू होने के बाद से उनका मासिक बिजली बिल घटकर शून्य हो गया है। इससे वे हर साल हजारों रुपये की सीधी बचत कर रहे हैं। महेश कुमार ने बताया कि इस योजना के तहत उन्हें सोलर पैनल लगाने की लागत पर केंद्र और राज्य सरकार, दोनों की ओर से भरपूर आर्थिक सहयोग मिला। उन्हें संयुक्त रूप से कुल एक लाख आठ हजार रुपये की सब्सिडी मिली, जिससे सोलर प्लांट की स्थापना की शुरुआती लागत काफी कम हो गई।

जनदर्शन में गूंजीं आमजन की समस्याएं, कलेक्टर ने हर आवेदन को गंभीरता से सुना

एमसीबी। दण्डाधिकारी संतन देवी जांगड़े के मार्गदर्शन में आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित जनदर्शन कार्यक्रम में जिले के विभिन्न ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों से बड़ी संख्या में नागरिक अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे। जनदर्शन के दौरान कलेक्टर ने प्रत्येक आवेदक की शिकायत को गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ सुना तथा संबंधित विभागीय अधिकारियों को सभी प्रकरणों का समयबद्ध, निष्पक्ष एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करने के सख्त निर्देश दिए।

जनदर्शन में भूमि विवाद, सीमांकन, नामांतरण, वन अधिकार पट्टा, अतिक्रमण, शासकीय भूमि, राजस्व प्रकरण, आंगनबाड़ी नियुक्ति, मजदूरी भुगतान, पुलिस कार्रवाई, शिक्षा, निस्तार मार्ग, कृषि भूमि विवाद, किसान कार्ड, शासकीय अधिवक्ता नियुक्ति, वन भूमि, महुआ वृक्ष, रिश्वत की शिकायत तथा अन्य जनसमस्याओं से जुड़े अनेक आवेदन प्राप्त हुए।

आवेदक रामलखन सिंह एवं शिवभजन ने भूमि सीमांकन कराने की मांग की। अजय कुर्रे ने बच्चों का स्थानांतरण प्रमाण-पत्र दिलाने एवं शेष शुल्क जमा करने के लिए समय प्रदान करने का आवेदन प्रस्तुत किया। भागीरथी ने कब्जे की वन भूमि का आपसी बंटवारा होने के बावजूद भूमि पर जबरन खेती किए जाने की शिकायत दर्ज

कराई। हीरालाल निवासी ठग्गांव ने तीन पीढ़ियों से कब्जे वाली शासकीय भूमि पर वन विभाग द्वारा कराए जा रहे पौधारोपण पर रोक लगाने की मांग की।

इसी प्रकार जितेंद्र प्रताप सिंह ने पूर्व सरपंच की बकाया राशि दिलाने, सीताराम यादव ने निस्तार मार्ग उपलब्ध कराने, भीम सिंह ने पैतृक कृषि भूमि पर अवैध कब्जे के प्रयास, मारपीट एवं जान से मारने की धमकी की शिकायत की। सोनसाय ने भूमि संबंधी मामले में कार्रवाई नहीं होने, मोटू ने निष्पक्ष जांच कराने तथा दिलमोहन एवं उमेश सिंह ने वन अधिकार पट्टा प्रदान करने की मांग रखी। शिवकुमारी ने आंगनबाड़ी सहायिका पद पर नियुक्ति दिलाने, रिंकी ने पुलिस द्वारा झूठे प्रकरण में फंसाए जाने, महेश प्रताप सिंह ने वन भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने तथा रमाशंकर गुप्ता ने शासकीय अधिवक्ता नियुक्ति से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किया।

देवलाल राम बैगा ने मजदूरी की शेष राशि दिलाने, प्रदीप कुमार गुप्ता ने महुआ वृक्ष से जबरन महुआ बीनने, जांच प्रतिवेदन के आधार पर कार्रवाई करने, रास्ता मद की भूमि से आवागमन की सुविधा उपलब्ध कराने तथा खेत में लगाए गए सागौन के पौधों को पड़ोसी द्वारा किए जा रहे नुकसान से बचाने की मांग की।

सुबोध कुमार दुबे ने भूमि की जोताई में रोक लगाए जाने, रामबली ने किसान कार्ड में पूर्व से दर्ज वन भूमि को पुनः दर्ज कर पूर्ववत लाभ दिलाने, हीरालाल निवासी झगराखाण्ड ने लगभग 20-25 वर्ष पूर्व निर्मित दुकान पर जबरन कब्जे की शिकायत, मुन्नाराम ने पटवारी द्वारा कथित रूप से रिश्वत लेकर बंटवारा किए जाने की जांच, धनरजिया ने जान से मारने की धमकी एवं पुनः जांच कर पट्टे में नाम दर्ज करने तथा धनसू राम ने पिलर खड़ा कराने संबंधी आवेदन प्रस्तुत किया।

सिंगरौली के किसान ने उठाई आधुनिक राह, इस बार खरीफ में करेंगे नैनो डीएपी का छिड़काव

एमसीबी। बदलते समय के साथ जिले के किसान अब पारंपरिक खेती के साथ आधुनिक कृषि तकनीकों को भी अपना रहे हैं। खरीफ सीजन 2026 में जिला मुख्यालय से लगभग 120 किलोमीटर दूर स्थित विकासखंड मनेन्द्रगढ़ के ग्राम सिंगरौली के निवासी किसान शिवलाल ने पहली बार अपनी खेती में नैनो डीएपी उर्वरक का उपयोग करने का निर्णय लिया है। उनका मानना है कि आधुनिक तकनीक और वैज्ञानिक खेती के माध्यम से कम लागत में बेहतर उत्पादन प्राप्त किया जा सकता है।

शिवलाल ने बताया कि अब तक वे खेती में पारंपरिक डीएपी और अन्य उर्वरकों का उपयोग करते रहे हैं, लेकिन इस वर्ष उन्होंने प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति तथा कृषि विभाग के माध्यम से नैनो डीएपी के बारे में जानकारी प्राप्त की। साथ ही, आसपास के किसानों से भी उन्हें इसके सकारात्मक परिणामों के बारे में पता चला। इन्हीं अनुभवों से प्रेरित होकर उन्होंने इस बार अपनी धान की फसल में नैनो डीएपी का उपयोग करने का निर्णय लिया है।

उन्होंने बताया कि पिछले वर्ष उनके आसपास के कई किसानों ने नैनो डीएपी और नैनो यूरिया का उपयोग किया था। उन किसानों को फसल की बेहतर बढ़वार और संतोषजनक उत्पादन मिला। बेहतर परिणाम देखने के बाद उन्होंने भी आधुनिक उर्वरक अपनाने का फैसला किया।

शिवलाल के अनुसार, नैनो डीएपी की सबसे बड़ी विशेषता इसका आसान उपयोग है। पारंपरिक खाद की भारी बोरियों की तुलना में इसकी छोटी बोतलों को आसानी से खेत तक ले जाया जा सकता है। इससे परिवहन में सुविधा होती है और किसानों का समय व श्रम दोनों बचते हैं। कम मात्रा में उपयोग होने के कारण इसका प्रबंधन भी सरल है।

जनसुनवाई : कलेक्टर ने प्राप्त 39 शिकायतों पर अधिकारियों को दिए कार्रवाई के आदेश

गरियाबंद। आज जिला कार्यालय के सभाकक्ष में कलेक्टर द्वारा जनदर्शन का आयोजन किया गया। जिले के विभिन्न क्षेत्रों एवं दूर-दराज इलाकों से पहुंचकर लोगों ने जनदर्शन में कलेक्टर बीएस उइके को अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन सौंपा। आज जनदर्शन में कुल 39 आवेदन प्राप्त हुए। कलेक्टर उइके ने आवेदनों को संज्ञान में लेकर आवश्यक निराकरण के लिए संबंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए। इसी कड़ी में आज आयोजित जनदर्शन में ग्राम बेलटूकरी की शिवकुमारी साहू ने शौचालय निर्माण के लिए आवेदन सौंपा। इसी प्रकार ग्राम कोसमी के हरक राम यादव ने पीएम आवास की सूची में नाम जुड़वाने के लिए, ग्राम कुम्हड़ईकला के अन्तोराम माली ने भूमि सीमांकन के संबंध, ग्राम सड़क परसुली के बलदेव राम साहू ने शौचालय निर्माण के बकाया राशि को दिलाने के लिए आवेदन सौंपा। इस पर कलेक्टर उइके ने संबंधित अधिकारियों को सभी प्राप्त आवेदनों का समय पर एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से निराकरण करने के निर्देश दिए।

सरगुजा में जल संचयन की अनोखी पहल : 'मोर गांव, मोर पानी' अभियान से लहलहाएंगी फसलें और बढ़ेगा भू-जल

अम्बिकापुर। विकसित भारत जी राम जी योजना के अंतर्गत सरगुजा जिले में जल संरक्षण और प्राकृतिक संसाधनों के संवर्धन के उद्देश्य से संचालित 'मोर गांव, मोर पानी महाअभियान' प्रभावी परिणाम देने लगा है। अभियान के तहत जिले के विभिन्न क्षेत्रों में वर्षा जल के संरक्षण एवं भू-जल पुनर्भरण के लिए वैज्ञानिक पद्धति से संरचनाओं का निर्माण कराया जा रहा है। इसी क्रम में जनपद पंचायत अंबिकापुर की ग्राम पंचायत कांतिप्रकाशपुर के पहाड़ी क्षेत्र में 600 स्टैगर्ड कंटूर ट्रेंच (स्टट्ज्ञ) का निर्माण किया गया है, जो आने वाले समय में जल संरक्षण, हरित आवरण बढ़ाने और कृषि को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

कलेक्टर अजीत वसंत के निर्देशन तथा जिला पंचायत सीईओ विनय कुमार अग्रवाल के मार्गदर्शन में यह कार्य तेजी से पूरा किया गया। पहाड़ी ढलानों पर रिज टू वैली अवधारणा अंतर्गत वैज्ञानिक तकनीक के आधार पर कंटूर लाइन के अनुरूप जिग-जैग स्वरूप में निर्मित स्टैगर्ड कंटूर ट्रेंच वर्षा जल को रोकने और उसे धीरे-धीरे भूमि के भीतर समाहित करने का कार्य करेंगे।

पूर्व में वर्षा के दौरान पहाड़ी क्षेत्रों का अधिकांश पानी तेज बहाव के साथ नीचे की ओर बह जाता था, जिससे मिट्टी का कटाव होता था और वर्षा जल का समुचित उपयोग नहीं हो पाता था। अब इन ट्रेंचों के निर्माण से वर्षा जल का बहाव नियंत्रित होगा तथा पानी धीरे-धीरे जमीन में रिसकर भू-जल स्तर को बढ़ाने में सहायक होगा। इससे प्राकृतिक जल स्रोतों का पुनर्भरण होगा और भविष्य में पेयजल उपलब्धता भी बेहतर होगी। अभियान के तहत किए गए कार्यों से पहाड़ी क्षेत्र का स्वरूप भी बदलता दिखाई दे रहा है। जहां पहले पहाड़ी ढलान बंजर और सूखी दिखाई देती थी, वहीं अब व्यवस्थित रूप से निर्मित स्टैगर्ड कंटूर ट्रेंच और बढ़ती हरियाली इस पहल की सफलता को दर्शा रही है। निर्माण से पहले और निर्माण के बाद की तस्वीरों में इस परिवर्तन को स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है।

स्टैगर्ड कंटूर ट्रेंच जल संरक्षण की एक वैज्ञानिक एवं प्रभावी तकनीक है, जिसके माध्यम से वर्षा जल को रोककर भूमि के भीतर समाहित किया जाता है। इससे भू-जल स्तर में वृद्धि होती है, मिट्टी का कटाव कम होता है, भूमि की उर्वरता बनी रहती है तथा वनस्पति और हरियाली को बढ़ावा मिलता है। इसके साथ ही आसपास के जल स्रोतों का पुनर्भरण होने से कृषि कार्यों को भी दीर्घकालिक लाभ मिलेगा।

शासन द्वारा संचालित 'मोर गांव, मोर पानी महाअभियान' जल संरक्षण को जनभागीदारी से जोड़ने का महत्वपूर्ण प्रयास है। अभियान के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में जल संरचनाओं का निर्माण कर प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के साथ-साथ भविष्य की जल आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए स्थायी समाधान विकसित किए जा रहे हैं।

स्वच्छ पेयजल की दिशा में बड़ी पहल : ग्राम अक्तवार व घघरा के सार्वजनिक हैंडपंपों का हुआ क्लोरीनेशन

एमसीबी। जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा विकासखंड भरतपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत अक्तवार एवं घघरा के ग्राम अक्तवार एवं घघरा में सार्वजनिक हैंडपंपों का क्लोरीनेशन कार्य सफलतापूर्वक संपन्न किया गया। इस अभियान का उद्देश्य पेयजल की गुणवत्ता सुनिश्चित करना तथा जल जनित बीमारियों की प्रभावी रोकथाम करना है।

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन अभियंता आकाश पोद्दार के निर्देशानुसार एवं सहायक अभियंता जयंत कुमार चंदेल के मार्गदर्शन में विभाग की तकनीकी टीम एवं हैंडपंप टेक्निशियनों ने सभी सार्वजनिक हैंडपंपों में निर्धारित मानक के अनुसार 30 एमएल क्लोरीन का उपयोग कर क्लोरीनेशन किया। इस प्रक्रिया से पेयजल में मौजूद हानिकारक जीवाणुओं एवं संक्रमण फैलाने वाले सूक्ष्मजीवों का प्रभावी नियंत्रण सुनिश्चित किया गया।

अभियान के दौरान विभागीय अधिकारियों ने ग्रामीणों को स्वच्छ पेयजल के उपयोग, जल स्रोतों की नियमित साफ-सफाई, जल गुणवत्ता बनाए रखने तथा जल संरक्षण के महत्व के संबंध में भी जागरूक किया।

ग्रामीणों ने विभाग की इस जनहितकारी पहल की सराहना करते हुए सार्वजनिक जल स्रोतों की स्वच्छता बनाए रखने और सुरक्षित पेयजल के संरक्षण में सहयोग करने का संकल्प लिया। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में जल गुणवत्ता संरक्षण एवं क्लोरीनेशन संबंधी अभियान लगातार संचालित किए जा रहे हैं, ताकि प्रत्येक नागरिक को स्वच्छ, सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण पेयजल उपलब्ध हो सके तथा जल जनित रोगों की रोकथाम प्रभावी ढंग से सुनिश्चित की जा सके।

प्रयास आवासीय विद्यालयों के लिए काउंसलिंग आज से

गरियाबंद । मुख्यमंत्री बाल भविष्य सुरक्षा योजना अंतर्गत संचालित प्रयास आवासीय विद्यालयों में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए कक्षा 9वीं में प्रवेश हेतु आयोजित चयन परीक्षा के परिणाम जारी होने के बाद काउंसलिंग तिथि घोषित कर दिया गया है। आदिवासी विकास विभाग के सहायक आयुक्त लोकेश पटेल ने बताया कि काउंसलिंग 22 जुलाई 2026 से 5 अगस्त 2026 तक आयोजित की जाएगी। चयनित छात्र-छात्राओं की सूची एवं काउंसलिंग की तिथि विभागीय वेबसाइट एकलव्य डॉट सीजी डॉट एनआईसी डॉट इन पर उपलब्ध है। अभ्यर्थियों को सूची में आवंटित प्रयास आवासीय विद्यालय में सुबह 11:00 बजे से शाम 4:00 बजे तक उपस्थित होना होगा। काउंसलिंग के दौरान अभ्यर्थियों को कक्षा 8वीं की प्रथम श्रेणी (60 प्रतिशत) अंकसूची, विद्यालय द्वारा जारी सत्यापन प्रमाणपत्र, जाति प्रमाणपत्र, विशेष पिछड़ी जनजाति अथवा नक्सल पीड़ित प्रमाणपत्र (यदि लागू हो) सहित अन्य आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। विशेष श्रेणी के अभ्यर्थियों जैसे दिव्यांग, अनाथ, विधवा माता के बच्चे, परित्यक्ता महिला के बच्चे तथा शहीद सैनिक, पुलिस, अर्द्धसैनिक एवं सशस्त्र बलों के बच्चों को संबंधित प्रमाणपत्र भी प्रस्तुत करने होंगे। उन्होंने बताया कि काउंसलिंग के बाद प्रवेश के पात्र अभ्यर्थियों को तीन दिवस के भीतर जिला शिक्षा अधिकारी से काउंटर हस्ताक्षरित स्थानांतरण प्रमाण पत्र (टीसी) तथा जिला चिकित्सा अधिकारी द्वारा जारी सिकल सेल जांच प्रमाणपत्र जमा करना अनिवार्य होगा।

ऑनलाइन सुरक्षा का मजबूत कवच : बालिकाओं को साइबर सुरक्षा, कानूनी अधिकार और आत्मरक्षा की दी गई जानकारी

एमसीबी । जिला महिला सशक्तिकरण केंद्र (हब), महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा भारत सरकार की महत्वाकांक्षी बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय खोंगापानी में ऑनलाइन सुरक्षा एवं साइबर जागरूकता कार्यक्रम के प्रथम सत्र का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य बालिकाओं को बढ़ते साइबर अपराधों के प्रति जागरूक बनाना, ऑनलाइन सुरक्षा के उपायों की जानकारी देना तथा उनके कानूनी अधिकारों के प्रति सजग करना था।

कार्यक्रम का आयोजन कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी संतन देवी जांगड़े के निर्देशानुसार तथा जिला कार्यक्रम अधिकारी आदित्य शर्मा के मार्गदर्शन में पुलिस अधीक्षक रत्ना सिंह के

सहयोग से संपन्न हुआ। संपूर्ण कार्यक्रम का संचालन जिला महिला सशक्तिकरण केंद्र (हब) की जिला मिशन समन्वयक तारा कुशवाहा द्वारा किया गया।

कार्यक्रम में पुलिस विभाग के सी. राकेश शर्मा, रवि शर्मा एवं जितेंद्र कुमार ने बालिकाओं को साइबर अपराधों के विभिन्न स्वरूपों, ऑनलाइन ठगी, फर्जी लिंक, सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग, साइबर बुलिंग तथा डिजिटल प्लेटफॉर्म पर बरती जाने वाली सावधानियों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जागरूकता और सतर्कता ही साइबर अपराधों से बचाव का सबसे प्रभावी माध्यम है।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की अंजनी यादव ने बालिकाओं को उनके संवैधानिक एवं कानूनी अधिकारों, महिला सुरक्षा संबंधी कानूनों, साइबर सुरक्षा, बाल विवाह निषेध अधिनियम तथा उपलब्ध कानूनी सहायता के बारे में विस्तार से जानकारी दी और आवश्यकता पड़ने पर विधिक सहायता प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम में अजय विश्वकर्मा ने बालिकाओं के बीच बढ़ रही मानव तस्करी, उसके कारणों, पहचान के तरीकों तथा रोकथाम के उपायों पर विस्तारपूर्वक जानकारी देते हुए सतर्क रहने का संदेश दिया।

नवा बिहान (घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम, 2005) की प्रतिनिधि नीता पांडे ने महिलाओं एवं बालिकाओं के साथ होने वाली घरेलू एवं मानसिक प्रताड़ना, उनके अधिकारों तथा कानूनी संरक्षण के संबंध में जानकारी साझा की।

कलेक्टर उइके ने नीट, जेईई जैसे प्रवेश परीक्षा में चयनित विद्यार्थियों को किया सम्मानित

गरियाबंद। कलेक्टर बीएस उइके ने आज जिला कार्यालय के सभाकक्ष में एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय कोसमबुड़ा के सत्र 2025-26 के विद्यार्थियों ने विभिन्न राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय प्रतियोगी परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए उच्च शिक्षण संस्थानों में प्रवेश परीक्षा में चयनित बच्चों को सम्मानित किया।

कलेक्टर उइके ने विद्यार्थियों की इस उपलब्धि पर कलेक्ट्रेट कार्यालय के सभाकक्ष में उन्हें मोमेंटो एवं श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया। उन्होंने विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। कलेक्टर ने कहा कि दूरस्थ एवं आदिवासी क्षेत्रों के बच्चों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। उन्हें उचित मार्गदर्शन और अवसर मिलने पर वे राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों की सफलता का श्रेय विद्यालय के प्राचार्य एवं शिक्षकों के समर्पित प्रयासों और मार्गदर्शन को भी दिया। इस दौरान जिला पंचायत के सीईओ प्रखर चंद्राकर, अपर कलेक्टर पंकज डाहिरे, डिप्टी कलेक्टर नेहा भेड़िया, हितेश्वरी बाघे सहित अन्य अधिकारियों ने चयनित अभ्यर्थियों को सम्मानित किया।

विद्यालय के प्राचार्य डॉ. कमलाकांत यादव ने जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आगामी सत्रों में भी विद्यार्थियों को देश के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों तक पहुंचाने के लिए विद्यालय परिवार पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करेगा। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षकगण भी उपस्थित रहे। विद्यालय के कुल 33 विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त की।

समय सीमा बैठक में जनसमस्याओं के त्वरित समाधान और योजनाओं की प्रगति पर जोर

एमसीबी। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी संतन देवी जांगड़े की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित साप्ताहिक समय-सीमा की महत्वपूर्ण बैठक में जिले के सभी विभागों के कार्यों, जनहितकारी योजनाओं, लंबित प्रकरणों एवं विकास कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी अंकिता सोम, अपर कलेक्टर नम्रता डोंगरे, अनिल कुमार सिदार, समस्त एसडीएम, समस्त जनपद सीईओ, समस्त तहसीलदार सहित सभी विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक में कलेक्टर ने कहा कि शासन की प्राथमिकता

वाली योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक समय पर पहुंचे तथा सभी विभाग लंबित प्रकरणों के निराकरण में गंभीरता बरतें। उन्होंने अधिकारियों को समय-सीमा के भीतर कार्य पूर्ण करने और प्रत्येक प्रकरण की नियमित मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने आरटीआई पोर्टल की समीक्षा करते हुए जिन विभागों के अधिकारी अभी तक पोर्टल पर ऑनबोर्ड नहीं हुए हैं, उन्हें तत्काल ऑनबोर्ड होने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सूचना का अधिकार अधिनियम से जुड़े मामलों का समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने सुशासन तिहार के दौरान प्राप्त मांग एवं शिकायत संबंधी लंबित आवेदनों की समीक्षा करते हुए सभी विभागों को शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए। विशेष रूप से महिला एवं बाल विकास विभाग, नगर पालिका एवं सभी नगर पंचायतों में प्राप्त आवेदनों का सर्वे कर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा। साथ ही मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 एवं पीजी पोर्टल में दर्ज लंबित शिकायतों का भी समय-सीमा में निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यदि किसी अधिकारी को किसी प्रकरण के निराकरण में कठिनाई आती है तो तत्काल कलेक्टर अथवा जिला नोडल अधिकारी को अवगत कराया जाए।

बैठक में सेवा सेतु पोर्टल एवं लोक सेवा गारंटी केंद्रों की समीक्षा करते हुए सभी केंद्रों में अनिवार्य रूप से सूचना बोर्ड लगाने के निर्देश दिए गए ताकि आम नागरिकों को उपलब्ध सेवाओं की स्पष्ट जानकारी मिल सके। वहीं राजस्व विभाग की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने विवादित खाता विभाजन, नामांतरण, बंटवारा, डायवर्सन, त्रुटि सुधार सहित सभी लंबित राजस्व प्रकरणों का शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि मनेन्द्रगढ़, चिरमिरी, खड़गवां एवं भरतपुर तहसीलों में कुल 2687 राजस्व प्रकरण लंबित हैं, जिनकी नियमित सुनवाई कर समयबद्ध निराकरण किया जाए। बैठक में वृक्ष कटाई संबंधी प्रकरणों की भी समीक्षा की गई।

इतिहास बोझ नहीं, बल्कि एक विरासत है

जब भी मैं मेहमानों को मुंबई के अंधेरी-कुर्ला रोड लेकर जाता हूं तो बताता हूं कि 1940 से 1980 के दशक तक यह इलाका बॉम्बे (अब मुंबई) के सबसे व्यस्त फिल्म निर्माण केंद्रों में से एक हुआ करता था। मोहन स्टूडियो में मुगल-ए-आजम, देवदास और बंदिनी जैसी महान फिल्में शूट हुई थीं। मुगल-ए-आजम के लिए के. आसिफ ने यहां लाहौर किले की तर्ज पर आइकनिक शीश महल का सेट बनवाया था। करीब 150 फीट म 80 फीट म 35 फीट का यह सेट बनाने में दो साल लगे, जिसमें फिरोजाबाद के कारीगरों द्वारा तैयार बेल्जियम ग्लास के हजारों टुकड़े लगाए गए थे।

1950 के दशक के आखिर में बने इस सेट पर 15 लाख रुपए से अधिक खर्च हुए, जो उस समय बहुत बड़ी रकम थी। लेकिन जब मैं उन्हें यह विडंबना बताता हूं कि उस स्टूडियो में महिलाओं के लिए ढंग का वॉशरूम तक नहीं था, तो वे मेरी ओर संदेह से देखते हुए सोचते हैं कि ऐसा कैसे संभव है। वे हमेशा पूछते हैं कि जो स्टूडियो मैनेजमेंट सेट पर इतना खर्च कर सकता था, वह उन अभिनेत्रियों के लिए टॉयलेट क्यों नहीं बनवा सका, जिनके कारण थिएटरों में भीड़ उमड़ती थी।

फिर मैं उनसे कहता हूं कि अभिनेत्री वहीदा रहमान के बारे में सर्च करो, जो बताती थीं कि वे शूटिंग के दौरान पानी पीने से बचती थीं। आशा पारेख ने भी एक बार कहा कि वह भाग्यशाली रहीं, जो लंबे शूटिंग शेड्यूल के दौरान लगातार वॉशरूम जाने को टालती थीं, लेकिन उन्हें कभी किडनी की समस्या नहीं हुई।

रेणुका शहाणे ने भी कहा था कि 1990 के दशक में भी फिल्म सेटों पर कई महिलाएं पानी पीने से बचती थीं, क्योंकि वहां वॉशरूम गंदे और इस्तेमाल लायक नहीं होते थे। सिनेमाई भव्यता और अभिनेत्रियों की इन कठिनाइयों के विरोधाभास को सुनने के बाद मेहमान पूछते हैं कि 'क्या हम वह स्टूडियो देख सकते हैं?'

दुर्भाग्य से मैं उन्हें उस दौर की एक ईंट तक नहीं दिखा सकता। स्टूडियो गायब हो चुका है और उसकी जगह अब रिहायशी इमारतें हैं। मैं बात को यह कह कर खत्म करता हूं कि 'जब कोई स्टूडियो खत्म होता है तो उसके साथ भारतीय सिनेमा का एक पूरा चैप्टर समाप्त हो जाता है और इतिहास का एक हिस्सा भी भुला दिया जाता है।'

मंगलवार को मेरे साथ वेस्ट शिकागो से आए मेहमान थे। उन्होंने तुरंत कहा, 'भगवान का शुक्र है कि इलिनॉय में लंबे समय से उपेक्षित पड़े 1913 में बने एक कमरे वाले स्कूल को आखिरकार सुधारा जा रहा है। अब वहां जिले के इंस्ट्रक्शनल कोच बैठेंगे, जो टीचिंग और लर्निंग में स्थानीय स्कूलों की मदद करेंगे।'

यह स्कूल अब एक जीवंत एजुकेशनल रिसोर्स बनेगा, जिससे युवा शिक्षक समझ सकेंगे कि कभी अमेरिका में आम रहे एक कमरे वाले स्कूल वास्तव में कैसे दिखते थे। एक एकड़ से भी कम जमीन पर फैली यह इमारत अब महज इतिहास की किताबों में दर्ज होकर नहीं रह जाएगी, बल्कि भावी शिक्षकों को शिक्षण के विकास के बारे में बताती रहेगी।

हाल ही में दिल्ली यात्रा के दौरान मेरी मुलाकात साउथ एक्सटेंशन के एक स्थानीय इतिहासकार से हुई। उन्होंने एक रोचक किस्सा सुनाया कि उनके इलाके का यह नाम कैसे पड़ा। उनके अनुसार इस कॉलोनी का नाम इसलिए पड़ा, क्योंकि इसे कनॉट प्लेस के आसपास ब्रिटिशों द्वारा बसाई गई नई दिल्ली के दक्षिणी एक्सटेंशन के तौर पर विकसित किया गया था।

हालांकि इसका कोई आधिकारिक प्रमाण नहीं है, लेकिन कई लोगों का मानना है कि इसका नाम उसी भौगोलिक क्षेत्र से आया है, जहां कभी 'साउथ-एंड रोड' नामक सड़क हुआ करती थी। चूंकि बाद में उस सड़क का नाम पीलू मोदी रोड कर दिया गया तो इससे एक पेचीदा ऐतिहासिक डिस्कनेक्ट पैदा हो गया।

आने वाली पीढ़ियां सोच सकती हैं कि क्यों किसी इलाके का नाम 'साउथ एक्सटेंशन' रखा गया होगा, जबकि जहां से इसका विस्तार शुरू हुआ, उसके आसपास मिलते-जुलते नाम की कोई जगह है ही नहीं। ऐसे में इस नाम के पीछे का भौगोलिक तर्क कम स्पष्ट हो जाता है और पुराने नक्शों, ऐतिहासिक रिकॉर्ड या इस विषय पर किताबें लिखने वाले इतिहासकारों के बिना दिल्ली के शहरी विकास को समझ पाना मुश्किल हो जाता है। जब पुरानी इमारतें तोड़ी जाती हैं या ऐतिहासिक नाम गायब हो जाते हैं तो हम केवल ईंटें, सड़कें या लैंडमार्क्स ही नहीं खोते, बल्कि हमारे शहरों, संस्थाओं और पहचान के विकास को समझाने वाली कहानियों को भी मिटा देते हैं।

फंडा यह है कि इतिहास कोई बोझ नहीं है, जिसे ढोना पड़े। यह एक विरासत है, जिसे भावी पीढ़ियों के लिए सहेज कर रखना चाहिए।

कानून के पेशे में ही अपराधी होंगे तो न्याय कैसे मिलेगा?

सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस ने वास्तव में फर्जी डिग्रीधारियों को 'कॉकरोच' कहा था, लेकिन सोशल मीडिया से वायरल हुआ यह 'कॉकरोच' शब्द अब व्यवस्था के गले की हड्डी बन गया है। इतिहास में झांकें तो पाएंगे कि जेपी, वीपी सिंह और अण्णा हजारे के आंदोलनों के बाद सरकारें भले बदल गई हों, पर व्यवस्था नहीं बदली। नीट पेपर लीक पर अगर केंद्रीय शिक्षा मंत्री का इस्तीफा हो भी जाए तो शिक्षा और परीक्षा को ठगने वाले संगठित गिरोह को आपराधिक दंड दिए बगैर सिस्टम कैसे दुरुस्त होगा?

केंद्रीय गृह सचिव एनएन वोहरा की अक्टूबर 1993 में प्रस्तुत वोहरा समिति की रिपोर्ट में माफिया, राजनेताओं और नौकरशाहों के बीच की सांठगांठ (नेक्सस) पर चौंकाने वाले खुलासों से हमारे गणतंत्र की त्रासदी उजागर हुई थी। इसके तीन दशक से भी अधिक समय के बाद इलाहाबाद हाईकोर्ट के जज विनोद दिवाकर के ताजा फैसले से नया रोडमैप नजर आ रहा है। यह इटावा का वह आपराधिक मामला था, जिसमें वकील और उनके परिवार भी पक्षकार थे।

वकालत में अपराधियों और गैंग्स्टर्स के प्रचलन पर क्षोभ व्यक्त करते हुए जज ने कहा कि कानून का शासन दो बार मरता है- पहली बार जब वकील अपराधी बन जाते हैं और दूसरी बार जब न्यायाधीश साहस की जगह चुप्पी को चुनते हैं। न्यायिक व्यवस्था के विरोधाभासों से जुड़े 4 मुद्दों को समझना जरूरी है।

1. जजों के साथ बदतमीजी करते हुए लॉ के एक छात्र ने चीफ जस्टिस को अपशब्द कहे थे। सोशल मीडिया में बढ़ रही अभद्रता और रीलबाजी रोकने के लिए बार काउंसिल ने भी दिशा-निर्देश जारी किए हैं। लेकिन समस्या की जड़ें बहुत गहरी हैं। जस्टिस विक्रमनाथ की बेंच ने 'गैराजों में चल रहे लॉ कॉलेजों' पर चिंता जाहिर की है। पिछले दशक में बार काउंसिल के चेयरमैन ने कहा था कि एक तिहाई वकील फर्जी तरीके से वकालत कर रहे हैं। चीफ जस्टिस चन्द्रचूड़ की बेंच ने अप्रैल 2023 के फैसले से फर्जी डिग्री वाले वकीलों की पहचान का आदेश दिया था।

2. वकीलों की आपराधिकता से जुड़े मामले पर इलाहाबाद हाईकोर्ट के जज ने बार काउंसिल, पुलिस, प्रशासन, रजिस्ट्रार सोसायटी आदि से रिपोर्ट मांगी थी। यूपी में 5.14 लाख रजिस्टर्ड वकीलों में सिर्फ 2.49 लाख के पास वकालत के लिए सर्टिफिकेट ऑफ प्रैक्टिस है। राज्य में 4157 वकीलों के खिलाफ 5056 आपराधिक मामले चल रहे हैं। 105 वकीलों की लॉ, स्नातक या हाईस्कूल की डिग्री फर्जी पाई गई है।

3. 1975 में जस्टिस कृष्णा अय्यर की 7 जजों की बेंच ने कहा था कि वकील न्याय के रक्षक हैं और उन्हें व्यापारियों के निजी गिल्ड की तरह बर्ताव नहीं करना चाहिए। वकील पर आपराधिक मामला चल रहा हो तो उसके जज बनने में मुश्किल हो सकती है। हाईकोर्ट जज के अनुसार वकीलों को भी रजिस्ट्रेशन के समय चरित्र प्रमाण पत्र के साथ आपराधिक मुकदमों का ब्योरा देना चाहिए। अपराधियों को बाहर करने से योग्य वकीलों को बढ़ावा मिलने के साथ ही अदालतों की गरिमा भी बढ़ेगी। इसके लिए देश में सभी बार संघों की जवाबदेही तय करने के लिए जज ने आदेश दिया है।

4. अवमानना के मामले में जेल भेजे गए एक यू-ट्यूबर ने अदालतों की कार्रवाई का लिखित ब्योरा दर्ज करने की मांग की है। सिर्फ इस एक कदम से फर्जी वकीलों पर रोक, भ्रष्टाचार में कमी के साथ जनता को जल्द और सही न्याय मिल सकता है। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस नरसिम्हा की बेंच ने भी बार काउंसिल को आदेश दिया है कि वकीलों की अनुशासन-व्यवस्था का व्यापक ऑडिट करें। हाईकोर्ट जज ने भी सोसायटी एक्ट के अनुसार बार एसोसिएशंस में पारदर्शिता और जवाबदेही की बात कही है।

यूपी में 5.14 लाख रजिस्टर्ड वकीलों में सिर्फ 2.49 लाख के पास वकालत के लिए सर्टिफिकेट ऑफ प्रैक्टिस है। राज्य में 4157 वकीलों के खिलाफ 5056 आपराधिक मामले चल रहे हैं। 105 वकीलों की लॉ, स्नातक या हाईस्कूल की डिग्री फर्जी पाई गई है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

ट्रम्प का अमेरिका अब हमारे लिए भरोसेमंद नहीं लगता

बीते एक साल में भारत और अमेरिका के रिश्तों में कई निराशाजनक पड़ाव आए हैं। ट्रम्प के भारत-पाक युद्ध में मध्यस्थता के दावे को लेकर विवाद, रूसी तेल आयात के कारण लगाए टैरिफ, पाकिस्तान को अहमियत देना आदि। इस साल की शुरुआत में दोनों देशों के बीच ट्रेड डील को लेकर उम्मीदें थीं, लेकिन नई दिल्ली में वार्ता और दावों के बावजूद इसमें भी कुछ ठोस हाथ नहीं लग पाया है।

भारत पर पहले ही यूएस ट्रेड रिप्रजेंटेटिव की ओर से सेक्शन 301 के तहत प्रस्तावित 12.5% अतिरिक्त टैरिफ का खतरा मंडरा रहा है। यह ट्रैरिफ कथित तौर पर बंधुआ मजदूरी के जरिए बनी वस्तुओं के आयात के आरोप में प्रस्तावित किया गया है। अब ऐसी खबरें भी हैं कि यदि अमेरिकी कांग्रेस में एक बिल पारित हो जाता है तो रूसी तेल आयात करने के कारण भारत पर 100% दंडात्मक टैरिफ भी लगाया जा सकता है।

अमेरिका ने 8-9 जुलाई को चाबहार बंदरगाह समेत ईरान के सैन्य ठिकानों पर जबरदस्त हमले किए। इसी माह की शुरुआत में हुए हमलों में भारत द्वारा संचालित शाहिद बेहेश्ती पोर्ट टर्मिनल का वॉच टावर भी ध्वस्त कर दिया गया। पिछले साल के आखिर में ईरान युद्ध शुरू होने से पहले ही अमेरिका ने चाबहार परियोजना को लेकर भारत पर प्रतिबंध लगा दिए थे।

भारत ने बीते एक दशक में इस परियोजना पर काफी धन और प्रयास खर्च किए थे। ईरान युद्ध में भारत द्वारा अमेरिका-इजराइल पक्ष का समर्थन करने का भी इन हालात पर कोई फर्क नहीं पड़ा। इसके बावजूद भारतीय नाविकों वाले जहाजों पर अमेरिकी हमले हुए, जिनमें लोग मारे गए। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने भारत के कूटनीतिक विरोध को खारिज करते हुए कह दिया कि नाकेबंदी का उल्लंघन स्वीकार नहीं होगा।

हिन्द-प्रशांत क्षेत्र के प्रति अमेरिकी रवैया भी उतना ही चिंताजनक है। इस क्षेत्र में चीन का मुकाबला करने के लिए 'क्वाड' जैसे मंचों के जरिए भारत को प्रमुख साझेदार माना जाता था। 2025 में भारत में क्वाड समिट होनी थी और उम्मीद थी कि ट्रम्प इसमें शामिल होंगे। लेकिन समिट नहीं हो पाई और इस वर्ष भी होने की संभावना नजर नहीं आती।

इधर अमेरिका और चीन की नजदीकी बढ़ रही है। मई में ट्रम्प ने चीन यात्रा की और अब सितंबर में जिनपिंग की अमेरिका यात्रा संभावित है। ऐसे में लगता है कि अमेरिका ने अपनी इंडो-पैसिफिक नीति के औचित्य को ही कमजोर कर दिया है। शायद इसी की पुष्टि के लिए अमेरिका की इंडो-पैसिफिक कमांड ने हाल ही में अपना पुराना नाम 'यूएस पैसिफिक कमांड' फिर से रख लिया।

हमें यह भी समझना होगा कि तथाकथित 'मिडिल पावर्स' अपने दम पर चीन का सामना करने में अक्षम हैं। परंपरागत रूप से यह अमेरिका ही है, जो दक्षिणी चीन समुद्र और ताइवान की खाड़ी में चीन की आक्रामकता को चुनौती देने की ताकत मुहैया कराता रहा है। ट्रम्प के नेतृत्व वाला अमेरिका अब उतना भरोसेमंद नहीं दिखाई देता। लेकिन माहौल में बदलाव दिख रहा है।

जापान का सैन्य विस्तार अब आकार लेने लगा है। 2027 तक जापान रक्षा खर्च के मामले में दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा देश बन जाएगा। भारत को भी दक्षिण-पूर्व एशिया में अपनी सैन्य तैनाती और गतिविधियों को तेज करना होगा। फिलीपींस और इंडोनेशिया को ब्रह्मोस मिसाइल सिस्टम बेचकर उसने बेहतर शुरुआत की है।

भारत अपनी हिन्द-प्रशांत रणनीति को अमेरिका के भरोसे नहीं छोड़ सकता। जिस रणनीतिक जिम्मेदारी को वहन करने का वचन कभी क्वाड ने दिया था, वो अब भारत, जापान और ऑस्ट्रेलिया के कंधों पर आ गई है। ऐसे में हमारा काम ऐसी संतुलनकारी 'मिनिलेटरल व्यवस्था' बनाना है, जो अमेरिकी रुख से प्रभावित हुए बिना हिन्द-प्रशांत क्षेत्र को संभाल सके।

अमेरिका ने 8-9 जुलाई को चाबहार बंदरगाह समेत ईरान के सैन्य ठिकानों पर हमले किए। भारत द्वारा संचालित शाहिद बेहेश्ती पोर्ट टर्मिनल का वॉच टावर भी ध्वस्त कर दिया। हमने बीते एक दशक में इस परियोजना पर काफी धन और प्रयास खर्च किए थे।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

जनता को लग रहा है ज्यादा बिजली बिल आ रहा है तो......

राज्य में इन दिनों लोगों को लग रहा है कि पहले से ज्यादा बिजली बिल आ रहा है।लोग मीडिया को बता रहे हैं कि अप्रैल से बिल ज्यादा आ रहा है,कुछ लोगों का कहना है कि स्मार्ट मीटर लगाने के बाद बिजली बिल ज्यादा आ रहा है। कोई कहता है कि पहले हमारे यहां बिजली बिल दो हजार रुपए आता था अब वह 3300 और 3600 आ रहा है,कोई कहता है कि अप्रैल मे एक हजार.मई में छह हजार और जून में आठ हजार आया है।कोई कहता है कि मेरा बिल 700-800 रुपए आता था, अब 1920 और 3250 रुपए आया है.कोई बताता है कि अप्रैल में 1740,मई में 4420 बिल आया है।उस पर बुरा लोगों को यह लगता है कि जब बिजली विभाग शिकायत करने जाते हैं तो शिकायतें दर्ज नहीं की जाती हैं,समाधान में अनावश्यक देरी हो रही है।लोगों का कहना है कि बिजली बिलों की जांच कर वास्तविक खपत के आधार पर संशोधित बिल जारी करना चाहिए और शिकायतें जल्दी दूर की जानी चाहिए।

सीधी सी बात है कि यह जनता का अनुभव है। सरकार जैसे पिछली सरकार की तुलना मे खुद को कई मामलों में बेहतर बताती है उसी तरह जनता को इस बात का एहसास किसी न किसी क्षेत्र में तो ऐसा होता है कि बिजली के मामले में उनको इस सरकार से ज्यादा पिछली सरकार में फायदा था क्योंकि 400 यूनिट बिजली बिल आने पर 200 यूनिट का पैसा पटाना पड़ता था।कम से कम एक हजार रुपए की बचत होती थी।बिजली बिल दो तीन हजार भी आता था तो लोगों को लगता था कि एक हजार रुपए की बचत हुई है। बिजली कम आने व पैसा बचने का जो एहसास भूपेश बघेल सरकार के समय होता था, उसकी तुलना आज साय सरकार के समय लोग कर रहे हैं तो उनको लगता है कि उनको पहले से ज्यादा बिजली बिल देना पड़ रहा है। बिजली बिल पहले से ज्यादा आ रहा है। यानी पैसा बच नहीं रहा है, ज्यादा पैसा जेब से देना पड़ रहा है।

लोगों को भले ही यह सच मालूम न हो कि बिजली बिल क्यों ज्यादा आ रहा है, उनको यह तो मालूम है कि बिजली बिल पहले से ज्यादा आ रहा है।कुछ लोगों ने मान लिया कि यह स्मार्ट मीटर लगाने के कारण आ रहा है। हो सकता है कि बिजली बिल ढाई साल में कई बार बिजली दर बढ़ने के कारण ज्यादा आ रहा हो, हो सकता है कि गर्मी में पंखा कूलर ज्यादा चलने के कारण बिजली बिल ज्यादा आ रहा हो, हो सकता है कि पुराने मीटर में वास्तविक खपत के अनुसार बिजली बिल न आ रहा हो और स्मार्ट मीटर के कारण अब वास्तविक खपत के अनुसार बिजली बिल आ रहा हो. यानी बिजली बिल ज्यादा आने के कारण तो कई हो सकते हैं लेकिन लोगों के मन में यह धारणा बनाने का प्रयास कांग्रेस कर रही है कि स्मार्ट मीटर के कारण बिजली बिल ज्यादा आ रहा है। वह स्मार्ट मीटर के खिलाफ लोगों से फार्म भरवा रही है,जमा करवा रही है लोगों से कह रही है कि स्मार्ट मीटर के नाम पर संगठित लूट की जा रही है ताकि इसे आने वाले में जनता से जुड़ा बड़ा मुद्दा बना सके।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज ने बयान जारी कर कहा है कि यूपी के सीएम योगी के मंत्रिमंडल ने जैसे घरों से स्मार्ट मीटर हटाने का फैसला किया है क्योंकि स्मार्ट मीटर से बिजली की खपत ज्यादा आ रही थी, यहां भी साय सरकार को बिजली खपत ज्यादा आने को देखते हुए स्मार्ट मीटर घरों से हटाने का फैसला करना चाहिए। यानी कांग्रेस ज्यादा बिजली बिल को लेकर एक एक कदम आगे बढ़ रही है।वह लोगों को बता रही है, समझा रही है कि बिजली बिल ज्यादा आ रहा है तो इसके लिए सरकार दोषी है। यूपी की भाजपा सरकार इस समझ रही है तो यहां की भाजपा सरकार को भी समझना होगा कि इससे लोगों को परेशानी हो रही है।

यह सच है कि बिजली विभाग की तरफ से यह साफ कर दिया गया है कि स्मार्ट मीटर बिजली बिल नहीं बढ़ाता है।वह तो वास्तविक खपत के आधार पर सटीक बिल तैयार करता है।विभाग को बढ़े हुए बिजली बिल के विषय में साफ कहना है कि यदि किसी उपभोक्ता का बिजली बिल बढ़ा है तो उसका प्रमुख कारण बिजली की पहले से ज्यादा खपत व उच्च टैरिफ स्लैब में पहुंचना है। बिजली विभाग का यह भी साफ कहना है कि स्मार्ट मीटर वास्तविक समय में बिजली की खपत की जानकारी उपलब्ध कराता है।मोर बिजली एप के माध्यम से बिजली उपभोक्ता हर आधे घंटे में देख सकता है कि उसके घर में रोज कितनी बिजली खपत हो रही है। इससे वह जान सकता है कि कौन से बिजली चलने वाले उपकरण के कारण ज्यादा बिजली खपत हो रही है और वह बिजली की खपत कैसे कम कर सकता है।

लोग बिजली विभाग से बिजली बिल ज्यादा आने के लिए स्मार्ट मीटर की जांच कराना चाहें तो वह जांच भी तो मुफ्त नहीं होती है। लोग बिजली विभाग में शिकायत करें कि हमारे मीटर मे ज्यादा बिजली बिल आ रहा है क्यों आ रहा है इसकी जांच की जाए और मुफ्त जांच हो जाती तो भी लोगों को संतोष होता कि ठीक है मीटर में खराबी नहीं है,

हमें अपने मंदिरों को ऊर्जा के केंद्र बनाना चाहिए

करन सिंह होरा
संपादक
साकार भारत

भारतीय संस्कृति में मंदिर केवल पूजा-अर्चना के स्थान नहीं हैं, बल्कि वे समाज की आस्था, संस्कृति, ज्ञान और सकारात्मक ऊर्जा के केंद्र रहे हैं। सदियों से मंदिरों ने लोगों को आध्यात्मिक शक्ति प्रदान की है और समाज को एक सूत्र में बांधे रखने का कार्य किया है। इतिहास गवाह है कि हमारे मंदिरों ने अनेक आक्रमणों और संकटों का सामना किया। कभी मंदिरों को तोड़ा गया, कभी प्रतिमाओं को खंडित किया गया, लेकिन समाज की आस्था और एकजुटता ने उन्हें पुन: स्थापित किया। लोगों ने मंदिरों का पुनर्निर्माण किया और प्रतिमाओं की प्राण-प्रतिष्ठा कर अपनी सांस्कृतिक विरासत को जीवित रखा।

मंदिरों का निर्माण इसलिए किया गया था कि वे समाज को दिशा दें, लोगों के दुख-दर्द दूर करने की प्रेरणा बनें और जीवन में सकारात्मकता का संचार करें। समय के साथ मंदिरों की भौतिक सुरक्षा तो बढ़ी, लेकिन उनकी व्यवस्थाओं के सामने नई चुनौतियां खड़ी हो गईं। आज मंदिरों की दानपेटियां, आर्थिक संसाधन और प्रशासनिक व्यवस्थाएं कई बार विवादों का कारण बन जाती हैं। मंदिर और मूर्तियां आस्था से निर्मित होती हैं, लेकिन उनकी व्यवस्था मनुष्य के हाथों में होती है। धन का आकर्षण मनुष्य की सबसे बड़ी परीक्षाओं में से एक है। जब धन अधिक मात्रा में उपलब्ध हो, तब ईमानदारी और पारदर्शिता बनाए रखना किसी तपस्या से कम नहीं होता।

अक्सर देखा गया है कि मंदिरों के संचालन में पारदर्शिता की कमी, व्यक्तिगत स्वार्थ और प्रतिष्ठा की होड़ उनके मूल उद्देश्य को प्रभावित कर देती है। एक प्रसिद्ध कथा में बताया गया है कि जब किसी व्यक्ति ने मंदिर निर्माण कर रहे कारीगर से पूछा कि यह मंदिर किसका बन रहा है, तो उसने मंदिर की ओर नहीं बल्कि शिलान्यास पट्टिका की ओर संकेत करते हुए कहा कि जिस व्यक्ति का नाम इस पर लिखा है, मंदिर उसी का बन रहा है। यह प्रसंग हमें सोचने पर मजबूर करता है कि कहीं मंदिरों का केंद्र भगवान और समाज की सेवा के बजाय नाम और प्रसिद्धि तो नहीं बनते जा रहे।

आज आवश्यकता इस बात की है कि मंदिरों को केवल धार्मिक अनुष्ठानों तक सीमित न रखा जाए, बल्कि उन्हें संस्कार, सेवा, शिक्षा, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक सद्भाव के केंद्र के रूप में विकसित किया जाए। मंदिरों में पारदर्शी व्यवस्था, ईमानदार प्रबंधन और जनभागीदारी सुनिश्चित होनी चाहिए। जब मंदिर समाज को जोड़ने, प्रेरित करने और सकारात्मक ऊर्जा प्रदान करने का माध्यम बनेंगे, तभी वे अपने वास्तविक उद्देश्य को पूरा कर पाएंगे। हमें यह संकल्प लेना होगा कि हमारे मंदिर उपद्रव, विवाद और स्वार्थ के अड्डे नहीं, बल्कि आध्यात्मिक ऊर्जा और लोककल्याण के सशक्त केंद्र बनें।

युग तुलसी श्रीरामकिंकर उवाच ...

मंथरा की भूमिकाओं पर यदि विचार करें हमें लगेगा कि यह मंथरा ज्ञान के संदर्भ में सबसे बड़ी बाधा भेद-बुद्धि है, भक्ति के संदर्भ में यह संशय है और क्रिया के संदर्भ में लोभ है। और ध्यान से देखें तो मंथरा ने कैकेईजी के अंत:करण में क्रमश: इन तीनों का सृजन कर दिया। श्रीराम के राजतिलक का समाचार सुनकर जिस समय कैकेईजी ने मंथरा से बड़ी उदारता से यह कहा कि तुम जो चाहोगी वह पुरस्कार मिलेगा। तब तो मंथरा ने तुरंत कैकेईजी से कह दिया कि क्या तुम्हें अपने भविष्य की रंचमात्र चिंता नहीं है ? कितना बड़ा अनर्थ होने जा रहा है क्या तुम्हें पता नहीं है । और तब प्रारंभ में तो कैकेईजी ने बिगड़कर मंथरा से कहा कि अभी तो तूने कहा सो कहा पर अगर तेरे मुंह से इस प्रकार का एक वाक्य भी निकला तो

याद रख मैं तेरी जीभ कटवा लूंगी –
पुनि अस कबहुँ कहसि घरफोरी। तब धरि जीभ कढ़ावउँ तोरी।।

इतनी बड़ी धमकी। पर इस धमकी को सुनकर भी मंथरा विचलित नहीं हुई। अपितु वह जो योजना बना चुकी है उसमें सफल हो जाती है। तथा रामराज्य की योजना को ऐसे खंडित कर देती है कि सचमुच जो राज्य होने वाला था उस राज्य को बदलकर रख देती है, वह अकेली इतनी महान कूटनीतिज्ञ थी, तथा मानव मन की दुर्बलताओं को जानने की उसमें अद्भुत शक्ति थी।

शिष्य विशु व्ही.पी. नेगी
श्री रामकिंकर आध्यात्मिक मिशन रायपुर
मो.नं. 9425227937

आबकारी आरक्षक बने पर पदस्थापना नहीं ली:नौकरी में जॉइनिंग नहीं दी; 29 आरक्षकों की नियुक्तियां रद्द

रायपुर। आबकारी आरक्षक के पद पर चयन के बावजूद तय समय में कार्यभार ग्रहण नहीं करने वाले 29 अभ्यर्थियों की नियुक्ति रद्द कर दी गई है। आबकारी आयुक्त कार्यालय ने इसका आदेश जारी कर दिया है।

विभाग ने 200 पदों पर चयनित अभ्यर्थियों के नियुक्ति एवं पदस्थापना आदेश 23 अप्रैल 2026 को जारी किए थे। इनमें से 29 तय अवधि में जॉइनिंग देने नहीं पहुंचे। विभाग ने उन्हें अंतिम अवसर देते हुए 9 जून तक कार्यभार ग्रहण करने की मोहलत दी।

पत्र में स्पष्ट था कि समय-सीमा के बाद नियुक्ति स्वतः समाप्त मानी जाएगी। इसके बावजूद अभ्यर्थियों ने कार्यभार ग्रहण नहीं किया। इस पर आबकारी आयुक्त ने सभी की नियुक्ति निरस्त कर दी। इनकी पदस्थापना रायपुर, बिलासपुर, कोरबा, महासमुंद, राजनांदगांव, कबीरधाम, जशपुर, सरगुजा, बलरामपुर और गौरेला-पेंड्रा-मरवाही सहित विभिन्न जिलों के आबकारी कार्यालयों, उपायुक्त कार्यालयों और संभागीय उड़नदस्ता इकाइयों में की गई थी।

नियम: अंतिम मोहलत बाद नियुक्ति रद्द करना जरूरी छत्तीसगढ़ सिविल सेवा नियमों के तहत चयनित अभ्यर्थी को कार्यभार ग्रहण करने के लिए तय वक्त मिलता है। इसमें जॉइन न करने पर विभाग अंतिम मोहलत दे सकता है। इसके बाद भी अभ्यर्थी नहीं पहुंचता तो नियुक्ति रद्द कर दी जाती है। शिक्षक, डॉक्टर, नर्स, पुलिस आरक्षक और पटवारी भर्ती में भी ऐसे मामले आते रहे हैं।

नियुक्ति होने के बाद आरक्षक जॉइन न करने वालों को 5 नोटिस दिए गए। अंतिम अवसर के लिए भी 15 दिन मिले। पर वे नहीं आए तो उन्हें हटा दिया गया है। दो-तीन दिन में नई नियुक्तियां हो जाएंगी। - पीएस एल्मा, आबकारी आयुक्त

बेहतर पद और ऊंचे वेतन की नौकरी भी वजह जॉइनिंग नहीं देने के पीछे व्यक्तिगत और पेशेवर कारण हो सकते हैं। कई अभ्यर्थियों का चयन अधिक वेतन या बेहतर करियर वाले पद पर हो जाता है। कुछ उच्च पदों की प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी जारी रखने के कारण पहले मिली नौकरी छोड़ देते हैं। हालांकि, 200 में से 29 चयनित अभ्यर्थियों का जॉइन नहीं करना सामान्य स्थिति नहीं है।

किराए पर उपलब्ध है
तेलीबांधा शीतल कॉम्प्लेक्स में दुकान/ऑफिस के लिए जगह किराए पर उपलब्ध है।
संपर्क-9302222222

उद्घाटन हो गया, पर जिम्मेदारी तय नहीं:6 माह में वन भैंसा प्रतिमा बदहाल, लाइटें बंद, झाड़ियां उगीं

रायपुर। खालसा स्कूल चौक पर जीके टीएमटी के सीएसआर फंड से बनाई गई राजकीय पशु वन भैंसा की प्रतिमा उद्घाटन के कुछ ही महीनों बाद बदहाली का शिकार हो गई है।

जनवरी 2026 में इसका निर्माण पूरा हुआ और अप्रैल 2026 में सीएम साय के हाथों उद्घाटन भी हो गया, लेकिन आज तक इसके रखरखाव की जिम्मेदारी तय नहीं हो सकी। इसका असर अब साफ दिखाई देने लगा है।

लाखों रुपये खर्च कर तैयार की गई प्रतिमा परिसर में बड़ी-बड़ी घास और झाड़ियां उग आई हैं। कई महीनों से लाइटें बंद होने के कारण रात में पूरा परिसर अंधेरे में डूबा रहता है। निगम मुख्यालय की ओर से लाइट सुधारने के लिए जोन-4 को कई बार पत्र भेजे जाने के बावजूद स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ। मंगलवार प्रतिमा के एक हिस्से का पत्थर भरभराकर गिर गया। इससेकी गुणवत्ता के साथ-साथ रखरखाव व्यवस्था पर भी सवाल खड़े हो गए हैं।

महिला-बाल विकास विभाग में पदस्थापना अटकी

फॉर्म भरा, इंटरव्यू भी क्लीयर, अब 4 माह से पदस्थापना का इतजार कर रहे 47 अधीक्षक

रायपुर। लोक सेवा आयोग की परीक्षा पास कर महिला एवं बाल विकास विभाग में अधीक्षक (बाल देखरेख संस्थान) पद पर चयनित 47 युवा पिछले चार महीने से पदस्थापना के इंतजार में हैं। इन युवाओं को अब वित्त विभाग की अनुमति नहीं मिलने का हवाला देकर पदस्थापना नहीं दी जा रही है।

जबकि विभाग से अनुमति के बाद ही महिला एवं बाल विकास विभाग ने लोक सेवा आयोग को परीक्षा आयोजित करने पत्र लिखा था। अब अधीक्षक पद पर चयनित युवा पदस्थापना को लेकर विभागीय अधिकारियों के चक्कर काट रहे हैं।

लोक सेवा आयोग ने 7 अक्टूबर 2025 को महिला एवं बाल विकास विभाग में अधीक्षक (बाल देखरेख संस्थान) के 55 पदों पर भर्ती के लिए विज्ञापन जारी किया था। इसके लिए 10 अक्टूबर से 8 नवंबर तक आवेदन की प्रक्रिया चली। वहीं 6 नवंबर को ही एक संशोधन आदेश जारी करते हुए लोक सेवा आयोग ने पदों की संख्या को कम करते हुए 47 कर दिया।

अंतिम चयन सूची जारी होने के बाद से चयनित अभ्यर्थी आगे की प्रक्रिया के इंतजार में हैं। शुरुआत में उन्हें बताया गया कि जल्द ही दस्तावेजों का सत्यापन सहित अन्य प्रक्रियाएं पूरी कर अभ्यर्थियों को नियुक्ति दे दी जाएगी, लेकिन धीरे-धीरे यह ठंडे बस्ते में चला गया। इसके चलते अब तक अभ्यर्थियों का वेरीफिकेशन ही नहीं हो पाया है। इधर, चयनित अभ्यर्थी महिला एवं बाल विकास विभाग के चक्कर काट रहे हैं।

भास्कर को मिले दस्तावेजों में पता चला है कि महिला एवं बाल विकास विभाग में बाल आश्रयों के लिए कुल 110 अधीक्षकों की नियुक्ति की जानी थी। इनमें से 55 पदों पर पदोन्नति के तहत और 55 पदों पर सीधी भर्ती होनी थी। इसके लिए महिला एवं बाल विकास विभाग ने सभी तरह की प्रक्रिया पूरी की। यही नहीं 22 मई 2025 को ही इन पदों पर भर्ती के लिए वित्त विभाग ने स्वीकृति भी दे दी थी।

अधीक्षक पद के लिए लोक सेवा आयोग ने 18 जनवरी 2026 को लिखित परीक्षा ली। वहीं परीक्षा का परिणाम 6 फरवरी को जारी किया गया। जारी परिणाम और पद के अनुरूप कुल 144 अभ्यर्थियों को इंटरव्यू के लिए बुलाया गया। 10 और 11 मार्च को आयोजित इंटरव्यू में कुल 141 अभ्यर्थी शामिल हुए। वहीं 3 अनुपस्थित रहे। इंटरव्यू प्रक्रिया पूरी होने के बाद 11 मार्च को ही अंतिम चयन सूची के साथ वेटिंग लिस्ट जारी कर दी गई।

पीएबी के मिनिट्स के आधार पर एनजीओ द्वारा संचालित बाल संरक्षण गृहो को सरकार द्वारा संचालित करना था। इसी निर्देश के पालन में भर्ती प्रक्रिया पूरी की गई। लेकिन मामला हाईकोर्ट में विचाराधीन है। इसलिए विधि विभाग से अभिमत मांगा गया है। जवाब आने के बाद आगे का निर्णय लिया जाएगा। - **रेणुका श्रीवास्तव, संचालक महिला एवं बाल विकास विभाग**

भारत व्यापार महोत्सव के लिए छत्तीसगढ़ में रजिस्ट्रेशन शुरू

12 से 15 अगस्त तक नई दिल्ली में होगा आयोजन, कई व्यापारियों ने कराया पंजीयन

रायपुर। नई दिल्ली के भारत मंडपम में 12 से 15 अगस्त तक होने वाले देश के सबसे बड़े ट्रेड फेयर भारत व्यापार महोत्सव के लिए छत्तीसगढ़ में बिजनेस डेलीगेट रजिस्ट्रेशन शुरू हो गया है। रायपुर स्थित कैट प्रदेश कार्यालय में इसके लिए बैठक आयोजित की गई। पहले ही दिन प्रदेश के कई व्यापारिक संगठनों और व्यापारियों ने उत्साह के साथ अपना पंजीयन कराया। बैठक में कैट के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अमर पारवानी ने कहा कि इस बार महोत्सव में छत्तीसगढ़ की मजबूत भागीदारी सुनिश्चित करने का लक्ष्य रखा गया है। उनका कहना है कि आने वाले दिनों में प्रदेश के सभी जिलों से व्यापारी, उद्योगपति, स्टार्टअप और एमएसएमई प्रतिनिधि बड़ी संख्या में इस आयोजन में शामिल होंगे।

अमर पारवानी ने बताया कि भारत व्यापार महोत्सव सिर्फ प्रदर्शनी नहीं, बल्कि देशभर के व्यापार और उद्योग जगत का बड़ा मंच है। यहां उद्योगपति, निर्माता, वितरक, आयात-निर्यात से जुड़े कारोबारी, निवेशक और स्टार्टअप एक साथ आएंगे। इससे नए व्यापारिक संबंध बनाने और कारोबार बढ़ाने के अवसर मिलेंगे।

महोत्सव में शामिल होने वाले व्यापारियों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बिजनेस नेटवर्किंग, बी-टू-बी बैठकों, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), नई तकनीकों, डिजिटल बिजनेस, आयात-निर्यात और वैश्विक बाजार की जानकारी मिलेगी। साथ ही उद्योग विशेषज्ञों और नीति निर्माताओं से सीधे संवाद का अवसर भी मिलेगा। कैट के प्रदेश अध्यक्ष परमानंद जैन ने कहा कि यह आयोजन छत्तीसगढ़ के व्यापारियों, उद्यमियों, एमएसएमई और स्टार्टअप के लिए राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाने का अच्छा मौका है। बैठक में महोत्सव के प्रचार-प्रसार, जिलावार भागीदारी, व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल और अधिक से अधिक पंजीयन सुनिश्चित करने की कार्ययोजना पर भी चर्चा की गई।

रायपुर रेल मंडल की 4 ट्रेनों में मजिस्ट्रेट चेकिंग: 121 यात्रियों ने नियम तोड़े, 78 हजार से ज्यादा जुर्माना वसूला गया

रायपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रायपुर मंडल में मंगलवार को रेलवे मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में टिकट जांच अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान ट्रेनों और स्टेशनों पर 121 यात्री बिना टिकट, गलत टिकट या बिना बुकिंग सामान के साथ यात्रा करते मिले।

इन मामलों में कुल 78,875 रुपए का जुर्माना वसूला गया। रेलवे के अनुसार अभियान रेलवे मजिस्ट्रेट मयंक सोनी की मौजूदगी में चलाया गया। इसमें सहायक वाणिज्य प्रबंधक (कोचिंग) अविनाश कुमार आनंद, टिकट जांच स्टाफ, रेलवे सुरक्षा बल और जीआरपी की टीम शामिल रही।

जांच के दौरान दुर्ग-आरा साउथ बिहार एक्सप्रेस (13287), विशाखापट्टनम-कोरबा लिंक एक्सप्रेस (18518), छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस (18237) और जनशताब्दी एक्सप्रेस (12069) में टिकटों की जांच की गई।

किस मामले में कितनी कार्रवाई

बिना टिकट यात्रा: 68 मामले, 54,365 जुर्माना

अनियमित टिकट: 33 मामले, 22,310 जुर्माना

बिना बुकिंग सामान: 20 मामले, 2,200 जुर्माना

भाजपा का नया मिशन:प्रदेश कार्यालय में पदाधिकारियों और कोर कमेटी की बैठक

रायपुर। संत रविदास की 650वीं जयंती के बहाने भाजपा प्रदेशभर में गांव-गांव तक पहुंचने की तैयारी में है। पार्टी ने संत रविदास के सामाजिक समरसता और समानता के संदेश को पंचायत स्तर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा है।

अगस्त में वंदेमातरम और तिरंगा महाअभियान के जरिए राष्ट्रवाद आधारित जनसंपर्क अभियान चलाया जाएगा। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और भाजपा राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश की मौजूदगी में दोनों अभियानों की रूपरेखा मंगलवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में पदाधिकारियों की बैठक में तय की गई।

बैठक में बताया गया कि संत रविदास की 650वीं जयंती अगले साल फरवरी में देशभर में मनाई जाएगी। इसकी तैयारियों की शुरुआत 23 जुलाई से प्रदेशभर में कार्यशालाओं और संगठनात्मक कार्यक्रमों के साथ होगी। इसी तरह इस अभियान को धार्मिक और सामाजिक समरसता से जोड़ते हुए विशेष कार्यक्रमों की योजना बनाई है।

इसके लिए पार्टी की एक टीम 27 जुलाई को वाराणसी जाकर निर्माणाधीन संत रविदास स्मारक से मिट्टी और जल लाएगी। इसके बाद विभिन्न मंदिरों और पंचायतों में कार्यक्रम आयोजित कर संत रविदास के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का अभियान चलाया जाएगा। बैठक में अगस्त में प्रस्तावित वंदेमातरम और तिरंगा महाअभियान की तैयारियों की भी समीक्षा की गई।

रायपुर की आर्द्रभूमि में एक साथ दिखीं दो बत्तख प्रजातियां

रायपुर। रायपुर के धरसींवा के ग्राम पंचायत गोढ़ी की गधीया आर्द्रभूमि इन दिनों पक्षी प्रेमियों के लिए खास आकर्षण बनी हुई है। यहां स्पॉट-बिल्ड डक और लेसर व्हिस्लिंग डक एक साथ नजर आईं। दोनों पक्षियों को आर्द्रभूमि के किनारे आराम से घूमते और भोजन तलाशते देखा गया। इस दुर्लभ दृश्य ने प्रकृति प्रेमियों का ध्यान अपनी ओर खींचा।

सुबह के शांत माहौल में पक्षी प्रेमियों ने दोनों प्रजातियों को बिना किसी रुकावट के प्राकृतिक वातावरण में देखा और कैमरे में कैद किया। पानी, हरियाली और खुले वातावरण के बीच दोनों पक्षियों का यह दृश्य बेहद खूबसूरत नजर आया। यह तस्वीरें गधीया आर्द्रभूमि की प्राकृतिक सुंदरता और यहां की जैव विविधता को भी दिखाती हैं।

पक्षी विशेषज्ञों का कहना है कि एक ही आर्द्रभूमि में कई पक्षी प्रजातियों का दिखाई देना अच्छी बात है। इससे पता चलता है कि यहां का पानी, प्राकृतिक वनस्पति और वातावरण पक्षियों के रहने के लिए अनुकूल है। यही वजह है कि उन्हें यहां भोजन और सुरक्षित ठिकाना आसानी से मिल रहा है। विशेषज्ञों के मुताबिक ऐसे दृश्य बताते हैं कि आर्द्रभूमियों का संरक्षण कितना जरूरी है। अगर स्थानीय लोगों और प्रशासन के सहयोग से इन क्षेत्रों की देखभाल होती रही, तो आने वाले समय में यहां और भी स्थानीय व प्रवासी पक्षी देखने को मिल सकते हैं। इससे प्रकृति प्रेमियों और पक्षी विशेषज्ञों के लिए भी यह जगह और महत्वपूर्ण बनेगी।

विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसी आर्द्रभूमियां सिर्फ पक्षियों का घर ही नहीं होतीं, बल्कि पर्यावरण का संतुलन बनाए रखने में भी अहम भूमिका निभाती हैं।

दोनों पक्षी प्रजातियां (स्पॉट-बिल्ड डक और लेसर व्हिसलिंग डक) हमारे प्राकृतिक पर्यावरण और वेटलैंड्स (आर्द्रभूमि) के स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए बेहद जरूरी हैं। पारिस्थितिकी तंत्र का संतुलन: ये बत्तखें जलीय घास, छोटे कीड़े-मकोड़े, घोंघे और मछलियों को खाकर जलीय पारिस्थितिकी तंत्र को संतुलित रखती हैं। जैव विविधता का संकेतक: किसी भी वेटलैंड या दलदली क्षेत्र में इन पक्षियों की मौजूदगी यह साबित करती है कि वहां का वातावरण पक्षियों के लिए अनुकूल है और जल स्त्रोत स्वस्थ।

स्वामी आत्मानंद स्कूल में चला पर्यावरण संरक्षण अभियान:बारिश में बंजर जमीन पर फैलाए जाएंगे सीड बॉल, पौधरोपण का संकल्प

रायपुर। रायपुर के स्वामी आत्मानंद शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय तिलक नगर गुढ़ियारी में ईको क्लब की ओर से सोमवार को सीड बॉल निर्माण और पर्यावरण संरक्षण अभियान आयोजित किया गया। अभियान का उद्देश्य विद्यार्थियों में पर्यावरण संरक्षण, जैव विविधता और वृक्षारोपण के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। इस दौरान छात्रों ने उत्साह के साथ मिट्टी, जैविक खाद और देशी प्रजातियों के बीजों से सीड बॉल तैयार किए।

विद्यार्थियों को बताया गया कि बारिश के मौसम में इन सीड बॉल को बंजर जमीन, पहाड़ियों और खुले क्षेत्रों में फैलाने से बीज अंकुरित होकर पौधों में बदल जाते हैं। यह कम खर्च में अधिक पौधे तैयार करने का आसान और पर्यावरण के अनुकूल तरीका माना जाता है। साथ ही जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण, वनों की कटाई और जैव विविधता संरक्षण जैसे विषयों पर भी जानकारी दी गई।

ईको क्लब प्रभारी योगेश्वरी लहरी ने कहा कि प्रकृति की रक्षा केवल सरकारी जिम्मेदारी नहीं, बल्कि हर नागरिक का कर्तव्य है। उन्होंने विद्यार्थियों से हर साल अधिक से अधिक सीड बॉल तैयार कर प्रकृति को समर्पित करने की अपील की। उनका कहना था कि छोटे-छोटे प्रयास मिलकर बड़े बदलाव ला सकते हैं। विद्यालय की प्राचार्य जॉली साहू के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने 'एक विद्यार्थी-अनेक सीड बॉल, एक सीड बॉल-एक हरित भविष्य' का संकल्प लिया। साथ ही उन्होंने अपने परिवार और समाज को भी पर्यावरण संरक्षण अभियान से जोड़ने का संदेश दिया और सभी नागरिकों से वर्षा ऋतु में अधिक से अधिक सीड बॉल तैयार कर हरियाली बढ़ाने की अपील की।

Vastu Guruji
BEST PLACE FOR VASTU REMEDY

BUY NOW >
CALL 9770888888

वास्तु गुरुजी सिकंदर राणा जी के अनुसार आज का राशिफल

मो.नं. : 9770888888

मेष। आज का दिन आपके लिए उपलब्धियों और नई संभावनाओं से भरा रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपके प्रयासों, मेहनत और समर्पण की खुले दिल से सराहना होगी, जिससे आत्मविश्वास बढ़ेगा। वरिष्ठ अधिकारी आपकी कार्यशैली से प्रभावित रहेंगे और नई जिम्मेदारियां भी सौंप सकते हैं। अविवाहित जातकों के लिए विवाह संबंधी शुभ समाचार मिलने की संभावना है।

वृषभ। आज प्रेम संबंधों में शुरुआत थोड़ी सामान्य रह सकती है। छोटी-छोटी बातों पर मतभेद होने की संभावना है, लेकिन यदि आप संयम बनाए रखेंगे तो स्थिति जल्दी ही सामान्य हो जाएगी। शाम का समय बेहद सुखद और रोमांटिक रहेगा। जीवनसाथी या प्रेमी के साथ कहीं घूमने या साथ समय बिताने का अवसर मिल सकता है। रिश्तों में विश्वास और अपनापन बढ़ेगा।

मिथुन। आज आर्थिक मामलों में सोच-समझकर निर्णय लेने की आवश्यकता है। जल्दबाजी में किया गया कोई भी फैसला बाद में परेशानी का कारण बन सकता है। आत्मविश्वास अच्छा रहेगा और आपकी संवाद क्षमता लोगों को प्रभावित करेगी। कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं, जिन्हें आप कुशलता से पूरा करेंगे।

कर्क। नई योजनाओं की शुरुआत के लिए आज का दिन बेहद शुभ माना जा रहा है। यदि आप किसी नए प्रोजेक्ट, व्यापार या निवेश की योजना बना रहे हैं तो परिस्थितियां आपके पक्ष में रहेंगी। किसी महत्वपूर्ण डील के सफल होने की संभावना है, जिससे आर्थिक लाभ मिलेगा। कार्यक्षेत्र में आपकी कार्यशैली की सराहना होगी और वरिष्ठ अधिकारियों का सहयोग प्राप्त होगा। परिवार में खुशियों का माहौल रहेगा तथा प्रियजनों के साथ समय बिताने का अवसर मिलेगा।

सिंह। आज अचानक कोई शुभ समाचार मिलने से आपका मन प्रसन्न रहेगा। प्रेम संबंधों में मधुरता बढ़ेगी और जीवनसाथी या प्रियजन के साथ यादगार समय बिताने का अवसर मिलेगा। कार्यक्षेत्र में तरक्की के नए रास्ते खुलेंगे तथा आपके नेतृत्व गुणों की सराहना होगी। नई जिम्मेदारियां मिलने की संभावना है, जिन्हें आप सफलतापूर्वक निभाएंगे। आर्थिक स्थिति पहले से बेहतर होगी और आय के नए स्रोत भी विकसित हो सकते हैं।

कन्या। आज कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत का बेहतरीन परिणाम मिलेगा। लंबे समय से किए गए प्रयास सफल होंगे और अधिकारियों का विश्वास भी मजबूत होगा। आय में वृद्धि के संकेत हैं तथा संपत्ति या निवेश से जुड़े मामलों में लाभ मिल सकता है। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और भविष्य की योजनाओं को गति मिलेगी। बातचीत के दौरान विनम्रता बनाए रखें, क्योंकि मधुर व्यवहार आपको नए अवसर दिला सकता है।

तुला। आज का दिन आपके लिए अत्यंत शुभ और सकारात्मक परिणाम देने वाला रहेगा। कार्यक्षेत्र और व्यापार दोनों में सफलता मिलने के प्रबल योग हैं। रुके हुए कार्य पूरे होंगे और नई योजनाओं पर काम शुरू कर सकते हैं। आर्थिक मामलों में लाभ मिलेगा तथा धन संबंधी परेशानियां धीरे-धीरे समाप्त होंगी। परिवार के साथ सुखद समय बिताने का अवसर मिलेगा और घर का वातावरण आनंदमय रहेगा।

वृश्चिक। आज व्यापार और आर्थिक मामलों में सावधानी बरतने की आवश्यकता है। किसी भी प्रकार का निवेश करने से पहले सभी पहलुओं पर गंभीरता से विचार करें। लेन-देन में पारदर्शिता रखें और किसी पर आंख बंद करके भरोसा न करें। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत की सराहना होगी, लेकिन जल्दबाजी नुकसान पहुंचा सकती है। परिवार का सहयोग मिलेगा और जीवनसाथी के साथ संबंध मधुर रहेंगे।

धनु। आज आपका आत्मविश्वास पहले से कहीं अधिक मजबूत रहेगा। पुराने मित्रों से मुलाकात होने की संभावना है, जिससे दिन आनंदमय बनेगा। कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं और आपकी कार्यशैली की सराहना होगी। व्यापार में विस्तार की योजना बन सकती है, लेकिन फिलहाल कोई बड़ा जोखिम उठाने से बचें। आर्थिक स्थिति संतुलित रहेगी और आय के नए अवसर भी मिल सकते हैं। परिवार का सहयोग मिलेगा तथा घर का वातावरण सुखद रहेगा।

मकर। आज कार्यक्षेत्र में आपकी पद-प्रतिष्ठा बढ़ने के प्रबल योग हैं। वरिष्ठ अधिकारी आपके कार्य से संतुष्ट रहेंगे और नई जिम्मेदारियां भी सौंप सकते हैं। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी तथा आय में वृद्धि के संकेत हैं। परिवार के साथ अच्छा समय बिताने का अवसर मिलेगा और रिश्तों में मधुरता बनी रहेगी। यदि किसी नई योजना पर काम कर रहे हैं तो उसमें सकारात्मक परिणाम मिलने की संभावना है। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा, लेकिन नियमित दिनचर्या बनाए रखना आवश्यक होगा।

कुंभ। आज करियर में नए और बेहतर अवसर प्राप्त हो सकते हैं। यदि नौकरी बदलने या नया कार्य शुरू करने की सोच रहे हैं तो परिस्थितियां आपके पक्ष में रहेंगी। लंबे समय से रुके हुए कार्य पूरे होंगे और आर्थिक लाभ मिलने की संभावना है। वरिष्ठ अधिकारियों का सहयोग मिलेगा तथा सहकर्मियों के साथ तालमेल बेहतर रहेगा। परिवार के साथ समय बिताने का अवसर मिलेगा और रिश्तों में विश्वास बढ़ेगा। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा, लेकिन पर्याप्त आराम करना आवश्यक होगा।

मीन। आज पैसों के मामलों में विशेष सतर्कता बरतने की आवश्यकता है। किसी भी प्रकार की बहस या विवाद से दूर रहें और धैर्यपूर्वक निर्णय लें। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत रंग लाएगी तथा धीरे-धीरे सफलता मिलने लगेगी। आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी, लेकिन अनावश्यक खर्चों पर नियंत्रण रखना जरूरी होगा। परिवार का सहयोग मिलेगा और प्रियजनों के साथ समय बिताने से मानसिक शांति प्राप्त होगी। विद्यार्थियों के लिए दिन अनुकूल रहेगा तथा प्रतियोगी परीक्षाओं में अच्छे परिणाम मिलने के संकेत हैं। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा, लेकिन नियमित दिनचर्या और संतुलित भोजन अपनाना लाभदायक रहेगा। संयम और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ेंगे तो सफलता अवश्य मिलेगी।

कैबिनेट की बैठक में 49 प्रस्तावों पर मुहर

विधानसभा का मानसून सत्र 6 से 12 अगस्त तक, दो नए डिग्री कॉलेजों के निर्माण की स्वीकृति

रांची। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में मंगलवार को प्रोजेक्ट भवन में राज्य मंत्रिमंडल (कैबिनेट) की एक महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। इस बैठक में कुल 49 प्रस्तावों पर मुहर लगाई गई।

झारखंड विधानसभा का मानसून सत्र 6 अगस्त से 12 अगस्त तक चलेगा। इसके अलावा कैबिनेट द्वारा लिए गए फैसलों में उच्च शिक्षा के विस्तार और ग्रामीण क्षेत्रों में शैक्षणिक ढांचे को मजबूत करने पर विशेष जोर दिया गया है। इसी क्रम में गिरिडीह और रामगढ़ जिलों के लिए दो नए डिग्री कॉलेजों के निर्माण की स्वीकृति दी गई है।

राज्य सरकार ने दूरदराज और ग्रामीण क्षेत्रों के छात्रों को गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से दो प्रमुख स्वीकृतियां दी है। इनमें गिरिडीह जिले के जमुआ में एक नए डिग्री महाविद्यालय के निर्माण के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई है। इसके निर्माण पर लगभग 38 करोड़ रुपए की लागत आएगी।

रामगढ़ जिले के मांडू विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत मांडू डिग्री महाविद्यालय के निर्माण के लिए 40 करोड़ 14 लाख रुपए के बजट प्रस्ताव को प्रशासनिक स्वीकृति दी गई है।

वेजफेड के तत्कालीन प्रबंध निदेशक प्रमोद नारायण सिंह को सेवा से बर्खास्त किया गया था, हाई कोर्ट के ने उनको राहत दी। इसलिए उनको पुन: पेंशन आदि की सुविधा मिलेगी।

ग्रामीण क्षेत्रों में भी अब वही नक्शा पास किया जाएगा जहां सड़क की चौड़ाई 4:30 मीटर होगी।

हेलीकॉप्टर एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध कराने के लिए एक सिंगल इंजन हेलीकॉप्टर की सेवा लेने पर सहमति, 9 करोड़ 45 लाख आएगी लागत।

झारखंड के विश्वविद्यालय के सेवानिवृत शिक्षकों को एक-एक 2016 से मिलेगा सेवंथ सीपीसी का लाभ।

धनबाद के सरकारी मेडिकल कॉलेज में इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट के लिए 194 करोड़ स्वीकृत।

अधिवक्ता कल्याण समिति को इंश्योरेंस और पेंशन के लिए 12 करोड रुपए देने का प्रस्ताव स्वीकृत।

आदित्यपुर के नए म्युनिसिपल बिल्डिंग के निर्माण के लिए 39 करोड सैंक्शन।

सिकल सेल रोग, थैलेसीमिया, हीमोफिलिया, टाइप 1 मधुमेह, अन्य गैर-संक्रामक रोगों से प्रभावित तथा दिव्यांग बच्चों को विद्यालयों के बोर्ड परीक्षा में शामिल होने के लिए 75 प्रतिशत आवश्यक उपस्थिति में छूट के लिए मानक संचालन प्रक्रिया की स्वीकृति दी गई।

डॉ अर्चना चौधरी, चिकित्सा पदाधिकारी, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, कसमार, बोकारो को सेवा से बर्खास्त करने की स्वीकृति दी गई।

रखंड में आज मानसून पूरी तरह सक्रियःगुमला-जामताड़ा समेत कई जिलों में झमाझम बारिश

रांची। झारखंड में आज मानसून पूरी तरह सक्रिय है। रांची सहित कई जिलों में बुधवार सुबह से ही रुक-रुककर बारिश का दौर जारी है। गुमला, जामताड़ा, जमशेदपुर और रामगढ़ में अच्छी खासी बारिश दर्ज की गई। भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार आज राज्य के अधिकांश हिस्सों में लगभग पूरे दिन बादल छाए रहेंगे और हल्की से मध्यम बारिश होती रहेगी। गरज-चमक और 30-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चल सकती है। आज राज्य के अधिकांश हिस्सों में लगभग पूरे दिन बादल छाए रहेंगे और हल्की से मध्यम बारिश होती रहेगी। आज राज्य के अधिकांश हिस्सों में लगभग पूरे दिन बादल छाए रहेंगे और हल्की से मध्यम बारिश होती रहेगी।खासकर रांची, खूंटी, गुमला, सिमडेगा, लोहरदगा, पश्चिमी सिंहभूम, पूर्वी सिंहभूम, सरायकेला-खरसावां, बोकारो, रामगढ़, हजारीबाग, गिरिडीह, देवघर, दुमका, जामताड़ा, पाकुड़ और साहिबगंज समेत 17 जिलों में बारिश का व्यापक असर देखने को मिल सकता है।

भर्ती परीक्षा में गड़बड़ी पर बड़ी कार्रवाई : जेपीएससी की उप परीक्षा नियंत्रक सहित आठ हिरासत में, चेयरमैन ने दिया इस्तीफा

रांची। झारखंड लोकसेवा आयोग (जेपीएससी) की नियुक्ति परीक्षाओं में गड़बड़ी को लेकर मंगलवार को सीआईडी और रांची पुलिस ने जेपीएससी ऑफिस सहित आठ जगह छापेमारी की। टीम ने परीक्षा संचालित करने वाली एजेंसी टीएसआर डेटा प्रोसेसिंग प्रा. लि. (टीडीपीएल) के ठिकानों को भी खंगाला।

फिर जेपीएससी की उप परीक्षा नियंत्रक श्वेता गुप्ता और डेटा एंट्री, प्रोग्रामिंग व परीक्षा मैनेजमेंट से जुड़े आठ लोगों को हिरासत में ले लिया गया। टीडीपीएल के ऑफिस को भी सील कर दिया गया। इसी बीच देर शाम जेपीएससी के चेयरमैन एल ख्यांगते ने इस्तीफा दे दिया। हालांकि इस्तीफे की आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। छापेमारी की कार्रवाई बुधवार को भी जारी रहेगी। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन खुद पूरे मामले की मॉनिटरिंग कर रहे हैं। सिटी एसपी पारस राणा के नेतृत्व में मंगलवार दोहपर पहुंची टीम ने जेपीएससी कार्यालय को देर रात तक खंगाला। टीडीपीएल से जुड़े दस्तावेजों और कंप्यूटरों की भी गहनता से जांच की। इन्हें जब्त कर लिया। इसी बीच राज्य सरकार ने कड़ा रुख अपनाते हुए आरोपियों पर एफआईआर दर्ज कर सख्त कार्रवाई करने का आदेश दिया है। पुलिस और सीआईडी की टीम ने अब जब्त दस्तावेजों और कंप्यूटरों की जांच में डिजिटल फॉरेंसिक टीम को लगाया है।

सीआईडी की टीम ने सबसे पहले जेपीएससी की उप परीक्षा नियंत्रक श्वेता गुप्ता से पूछताछ की। फिर उन्हें लेकर वर्धमान कंपाउंड स्थित उनके घर पर गई। वहां तलाशी लेने के बाद ?टीम फिर श्वेता को लेकर जेपीएससी ऑफिस पहुंची और दस्तावेजों की जांच की। इसके बाद उन्हें हिरासत में ले लिया गया। इस छापेमारी के दौरान पूरे जेपीएससी कार्यालय की पुलिस ने घेराबंदी कर रखी थी। किसी को बाहर जाने नहीं दिया गया।

इनके खिलाफ चल रही जांच

परीक्षा एजेंसी टीएसआर डेटा प्रोसेसिंग प्राइवेट लिमिटेड

मनोज कुमार तिवारी उर्फ अभय कुमार तिवारी (मार्केटिंग मैनेजर, टीडीपीएल)

सत्यपाल सिंह (निदेशक, टीडीपीएल)

रामबीर सिंह (निदेशक, टीडीपीएस)

प्रोग्रामर एवं लोकसेवक (जेपीएससी)

इन बिंदुओं पर जांच कर रही है सीआईडी

डिजिटल टैंपरिंग और ओएमआर में फेरबदल: क्या परीक्षा के बाद सर्वर या ओएमआर शीट में बैकडेट में बदलाव किए गए?

मनी लॉन्ड्रिंग का कोण: अभ्यर्थियों से वसूली गई मोटी रकम किन-किन खातों में भेजी

अधिकारियों की भूमिका: ब्लैकलिस्टेड कंपनी को जेपीएससी ने किस आधार पर परीक्षा संचालन की अनुमति दी।

कैसे बढ़ता गया विवाद

20 जून 2026: सहायक लोक अभियोजक (एपीपी) भर्ती परीक्षा का परिणाम जारी हुआ। आयोग के दो सदस्यों ने परीक्षा एजेंसी की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए रिजल्ट पर हस्ताक्षर नहीं किए। इसके बाद चयन प्रक्रिया पर सवाल उठने लगे।

2 जुलाई 2026: 14वीं संयुक्त सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा का परिणाम जारी हुआ। आयोग के तीनों सदस्यों ने रिजल्ट पर हस्ताक्षर नहीं किए। इससे विवाद और गहरा गया।

रिजल्ट के साथ कटऑफ अंक सार्वजनिक न करने पर अभ्यर्थियों ने आपत्ति जताई।

अब परीक्षा संचालन करने वाली एजेंसी के यूपी में ब्लैकलिस्टेड होने की जानकारी सामने आने के बाद छापेमारी की यह कार्रवाई की गई।

हाईकोर्ट से सरकार ने कहा:नई तकनीक से कराएंगे भूमि सर्वे, ड्रोन सर्वे भी विकल्प

रांची। झारखंड हाईकोर्ट में मंगलवार को राज्य में भूमि सर्वे कराने की मांग से जुड़ी जनहित याचिका पर सुनवाई हुई। चीफ जस्टिस एमएस सोनक और जस्टिस राजेश शंकर की खंडपीठ के समक्ष राजस्व सचिव की ओर से जवाब दाखिल किया गया।

सरकार ने बताया कि भूमि सर्वे के लिए आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल किया जाएगा। इसमें ड्रोन सर्वे समेत दूसरे राज्यों में अपनाई गई नई तकनीकों का अध्ययन किया जाएगा।

इसी उद्देश्य से एक कमेटी बनाई गई है, जो तीन माह में अपनी रिपोर्ट देगी। सरकार ने अदालत को बताया कि कमेटी की रिपोर्ट के आधार पर तय किया जाएगा कि नई तकनीक का इस्तेमाल करते हुए झारखंड में भूमि सर्वे कैसे और कितने समय में पूरा किया जाए। इसी आधार पर राजस्व सचिव की ओर से अदालत से समय देने का आग्रह किया गया। याचिकाकर्ता गोकुल चंद की ओर से इसका विरोध किया गया। बताया गया कि नई तकनीक सीखने के नाम पर सरकार पहले ही काफी समय बिता चुकी है।

कम होगी दौड़-भाग:रिम्स में आज से UPI से भुगतान, घर बैठे बुक होगा ओपीडी नंबर

रांची। रिम्स में बुधवार से मरीजों को एक साथ छह नई सुविधाएं मिलेंगी। इनमें सबसे बड़ी राहत ऑनलाइन पेमेंट गेटवे की होगी। इसके शुरू होते ही 10 रुपए के रजिस्ट्रेशन शुल्क से लेकर जांच और इलाज से जुड़े सभी बिलों का भुगतान मरीज और उनके परिजन रिम्स के सभी बिलिंग काउंटरों पर यूपीआई से कर सकेंगे।

अभी तक यहां ऑनलाइन भुगतान की सुविधा नहीं थी। ऐसे में कई बार जांच की पर्ची कटाने के बाद नकद राशि निकालने के लिए मरीजों और परिजनों को परिसर से करीब 500-500 मीटर दूर एटीएम तक जाना पड़ता था। अब यह परेशानी खत्म होगी। ऑनलाइन पेमेंट की सुविधा नहीं होने से मरीजों को हो रही दिक्कत को लेकर दैनिक भास्कर ने प्रमुखता से खबर प्रकाशित की थी।

रिम्स के रेडियोलॉजी विभाग में डिजिटल मैमोग्राफी मशीन शुरू होगी। इससे महिलाओं में स्तन कैंसर की शुरुआती अवस्था में अधिक सटीक जांच हो सकेगी। निजी अस्पतालों का महंगा खर्च बचेगा और समय रहते बीमारी का पता चलने से इलाज की सफलता की संभावना बढ़ेगी।

सेंट्रल लैब: एक ही जगह होंगी ज्यादातर पैथोलॉजी जांच

ओपीडी परिसर में आधुनिक सेंट्रल लैब का विधिवत उद्घाटन होगा। यहां अधिकांश पैथोलॉजी जांच एक ही स्थान पर उपलब्ध होंगी। मरीजों को अलग-अलग विभागों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। रिपोर्ट जल्दी मिलने से इलाज में देरी भी नहीं होगी। हालांकि लैब की सेवाएं तीन महीने पहले शुरू हो चुकी हैं।

डेंटल सर्जरीः अलग आधुनिक ऑपरेशन थिएटर शुरू

डेंटल इंस्टीट्यूट के ओरल एवं मैक्सिलोफेशियल सर्जरी विभाग में नया ऑपरेशन थिएटर और वार्ड कॉम्प्लेक्स शुरू होगा। अब चेहरे, जबड़े और मुंह से जुड़ी जटिल सर्जरी के लिए मरीजों को दूसरे विभाग के ऑपरेशन थिएटर में नहीं जाना पड़ेगा। आधुनिक उपकरणों से इलाज अधिक सुरक्षित होगा और इंतजार भी कम होगा।

15 नक्सली कांडों में वांछित अनिता किस्कू का आत्मसमर्पणः सरकार की पुनर्वास नीति से प्रभावित होकर लौटी मुख्यधारा में

गिरिडीह। गिरिडीह पुलिस को नक्सल विरोधी अभियान में बड़ी सफलता मिली है। भाकपा (माओवादी) की एरिया कमेटी सदस्य अनिता किस्कू ने मंगलवार को पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। उसके खिलाफ झारखंड के विभिन्न थानों में 15 नक्सली मामले दर्ज हैं।

एसपी डॉ. बिमल कुमार ने पुलिस लाइन में यह जानकारी दी। इस अवसर पर द्वितीय कमान अधिकारी अभिनव आनंद और अपर पुलिस अधीक्षक सुरजीत कुमार भी उपस्थित थे।

एसपी ने बताया कि पुलिस महानिदेशक और पुलिस महानिरीक्षक, झारखंड के निर्देश पर पारसनाथ जोन में लगातार नक्सल विरोधी अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान और झारखंड सरकार की आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति 'नई दिशा-एक नई पहल' से प्रभावित होकर अनिता किस्कू ने मुख्यधारा में लौटने का निर्णय लिया।

लगभग 30 वर्षीय अनिता किस्कू बोकारो जिले के चतरोचट्टी थाना क्षेत्र के ढोढी, जालगा टोली की निवासी है। वह संगठन में एरिया कमेटी सदस्य के रूप में पारसनाथ, लुगू पहाड़ी, झुमरा पहाड़ी और कोल्हान क्षेत्र में सक्रिय रही है।

जानकारी के अनुसार, वर्ष 2009 में एक सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान उसकी मुलाकात माओवादी नेताओं से हुई, जिसके बाद वह संगठन से जुड़ गई। वर्ष 2017 में उसने माओवादी नेता अजय महतो से विवाह किया और संगठन की गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभाती रही। पुलिस के मुताबिक, वह हथियार, गोला-बारूद और विस्फोटकों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने, उन्हें जंगलों में छिपाने, लेवी वसूली तथा अन्य संगठनात्मक कार्यों में शामिल रही।

एसपी ने बताया कि संगठन के भीतर कथित शोषण, लगातार पुलिस कार्रवाई और उसके पति अजय महतो की गिरफ्तारी के बाद उसका संगठन से मोहभंग हो गया। इसके बाद उसने स्वयं गिरिडीह पुलिस से संपर्क कर आत्मसमर्पण की इच्छा जताई।

सोडूको प्रश्न (उत्तर अगले अंक में प्रकाशित होगा)

	3					9		
		6						
			2	4	1		3	
			9			7		
					2			4
	8			7			2	
8	5							
	9		7		4			
					6			1

पिछले अंक का उत्तर

1	7	5	2	9	4	8	3	6
6	2	3	1	8	7	9	4	5
8	9	4	5	6	3	2	7	1
5	1	9	7	3	2	4	6	8
3	4	7	8	5	6	1	2	9
2	8	6	9	4	1	7	5	3
9	3	8	4	2	5	6	1	7
4	6	1	3	7	9	5	8	2
7	5	2	6	1	8	3	9	4

चौखट पर हमारी
तुम्हारी
आने की आहट के
इशारे पास आए हैं।
मुश्किलों के बाद
आये सही वो
मंज़र और नज़ारे पास
आए हैं।।
ख़्यालों से नहीं जाते
निकाले चर्चे समायत
के,
कि गिरते संभलते हम
खुद ही खुद में हारे पास
आए हैं।।

शिक्षकों की कमी का निकाला समाधानः राज्य के 1000 स्कूलों में एआई से होगी पढ़ाई, 7 स्टूडियो से चलेगी वर्चुअल क्लास

रांची। राज्य के माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अब एआई आधारित 'झारखंड ई-शिक्षा कनेक्ट प्रोग्राम' शुरू होगा। इसके तहत अगले पांच वर्षों में राज्य के 1000 स्कूलों को वर्चुअल क्लास नेटवर्क से जोड़ा जाएगा। मंगलवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में इस प्रस्ताव समेत कुल 49 प्रस्तावों को मंजूरी दी गई।

कैबिनेट सचिवालय के अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह ने बताया कि योजना के तहत कुल सात स्टूडियो बनाए जाएंगे। रांची स्थित झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद (जेईपीसी) कार्यालय में दो केंद्रीय स्टूडियो बनेंगे, जबकि राज्य के पांचों प्रमंडलों में एक-एक स्टूडियो स्थापित होगा। इन स्टूडियो से विषय विशेषज्ञ शिक्षक पढ़ाएंगे और उसका सीधा प्रसारण 1000 स्कूलों में होगा। छात्र लाइव पढ़ाई के दौरान अपनी शंकाओं का समाधान भी कर सकेंगे। योजना के संचालन पर अगले पांच वर्षों में 176.07 करोड़ रुपए खर्च होंगे।

वेस्टइंडीज ने आखिरी वनडे 2 विकेट से जीता: न्यूजीलैंड के खिलाफ 2-3 से सीरीज गंवाई, हेटमायर की फिफ्टी

ब्रिजटाउन। मेजबान वेस्टइंडीज ने न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के आखिरी मैच में 2 विकेट की जीत हासिल की। हालांकि, बुधवार को मिली इस जीत के बावजूद टीम ने 5 मैचों की सीरीज 2-3 से गंवा दी। ब्रिजटाउन में कैरेबियाई टीम ने 269 रन का टारगेट 47.3 ओवर में 8 विकेट खोकर हासिल कर लिया। शिमरोन हेटमायर ने नाबाद 69 रनों की पारी खेली। वे प्लेयर ऑफ द मैच चुने गए। जॉयडन लेनिक्स को प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया।

टॉस हराने के बाद पहले बैटिंग कर रही न्यूजीलैंड 50 ओवर में 9 विकेट पर 268 रन बनाए। टीम ने 16 रन के स्कोर पर पहला विकेट गंवा दिया था। यहां पर हेनरी निकोलस 10 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें मैथ्यू फोर्ड ने बोल्ड किया।

5वें ओवर में पहला विकेट गंवाने के बाद ओपनर विल यंग और निक केली ने कीवियों की पारी संभाली। दोनों ने दूसरे विकेट के लिए 90 गेंद पर 86 रन की साझेदारी की। इस साझेदारी को विटेल लुईस ने विल यंग को बोल्ड करके तोड़ा।

विल यंग ने 56 रन बनाए। यंग के आउट होने के बाद केली ने मार्क चैपमैन के साथ पारी को आगे बढ़ाया, लेकिन चैपमैन 11 रन बनाकर आउट हो गए। चैपमैन के आउट होने के बाद विल यंग 64 रन बनाकर पवेलियन लौट गए।

टॉम लैथम ने स्कोर 200 पार पहुंचाया

मार्क चैपमैन के आउट होने के बाद क्रीज पर उतरे टॉम लैथम ने न्यूजीलैंड की पारी को 200 पार पहुंचा दिया। उन्होंने 69 रनों की अर्धशतकीय पारी खेली। आखिर में कप्तान मिचेल सैंटनर और नाथन स्मिथ ने 50 ओवर में टीम का स्कोर 268/9 पहुंचा दिया। विटेल लुइस और अल्जारी जोसेफ को दो-दो विकेट मिले।

कैरेबियाई ओपनर्स में फिफ्टी पार्टनरशिप 269 रन का टारगेट चेज करने उतरे कैरेबियाई ओपनर्स ने फिफ्टी पार्टनरशिप की। हालांकि, 59 रन के टीम स्कोर पर पवेलियन भी लौट गए। एकीम ऑगस्टे 34 और जस्टिन ग्रीव्स 22 रन बनाकर आउट हुए। केसी कर्टी 20 और कप्तान शाई होप 39 रन बनाकर आउट हुए। एक समय टीम का स्कोर 123/4 हो गया था।

हेटमायर-रदरफोर्ड में 95 रनों की साझेदारी, स्कोर 200 पार

शुरुआती विकेट जल्दी गंवाने के बाद शेरफन रदरफोर्ड ने शिमरोन हेटमायर के साथ मिलकर वेस्टइंडीज को 200 पार पहुंचाया। दोनों ने 5वें विकेट के लिए 90 गेंद पर 95 रनों की साझेदारी की। यह साझेदारी रदरफोर्ड के आउट होने से टूटी। उन्हें 61 रन के निजी स्कोर पर टॉम लैथम ने माइकल ब्रेसवेल की गेंद पर स्टंप किया।

हेटमायर मैच जिताकर लौटे, नाबाद 69 रन बनाए

218 रन के टीम स्कोर पर रदरफोर्ड का विकेट गंवाने के बाद शिमरोन हेटमायर ने टीम की नैया पार लगाई। वे 69 रन बनाकर नाबाद लौटे। न्यूजीलैंड की ओर से जैकब डफी और जॉयडन लेनिक्स को 3-3 विकेट मिले।

बिजनेस न्यूज

सेंसेक्स-निफ्टी में गिरावट, आईटी, फार्मा और बैंकिंग शेयरों में बिकवाली से निवेशकों की चिंता बढ़ी

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार में मंगलवार, 22 जुलाई को कारोबार की शुरुआत कमजोर रही। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 300 से अधिक अंक टूटकर करीब 77,100 के स्तर पर कारोबार करता नजर आया, जबकि निफ्टी भी लगभग 100 अंक की गिरावट के साथ 24,100 के आसपास पहुंच गया। बाजार में सबसे अधिक दबाव आईटी, फार्मा और बैंकिंग सेक्टर के शेयरों पर देखने को मिला, जिसके कारण निवेशकों का रुझान सतर्क बना रहा।

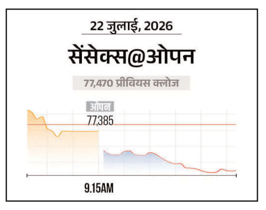

एशियाई बाजारों में मिश्रित संकेत मिले। दक्षिण कोरिया का 3कोस्पी 4.69 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार करता दिखा, जबकि जापान का निक्केई3 1.93 प्रतिशत चढ़ा। दूसरी ओर, हांगकांग का हैंगसेंग 0.72 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करता रहा। वैश्विक बाजारों से मिले मिले-जुले संकेतों का असर भारतीय बाजार पर भी देखने को मिला।

हालांकि अमेरिकी शेयर बाजारों ने सोमवार को सकारात्मक प्रदर्शन किया। 3डाउ जोंस 385 अंक, नैस्डैक 329 अंक और एसएंडपी 50066 अंक की बढ़त के साथ बंद हुए। इसके बावजूद घरेलू बाजार में निवेशकों ने मुनाफावसूली को प्राथमिकता दी, जिससे प्रमुख सूचकांकों पर दबाव बना रहा।

विदेशी और घरेलू निवेशकों के आंकड़ों पर नजर डालें तो पिछले सात दिनों में घरेलू संस्थागत निवेशकों ने करीब 4,660 करोड़ रुपयेके शेयर खरीदे हैं, जबकि ताजा कारोबारी सत्र में डीआईआई की ओर से 657 करोड़ रुपये की बिकवाली दर्ज की गई। वहीं एफआईआई/एफपीआइ ने हालिया सत्र में 1,650 करोड़ रुपये की खरीदारी की, लेकिन पिछले 30 दिनों में उनकी कुल बिकवाली 9,366 करोड़ रुपये रही है।

गौरतलब है कि 21 जुलाई को भी बाजार गिरावट के साथ बंद हुआ था। उस दिन सेंसेक्स 238 अंक टूटकर 77,470 पर और निफ्टी 51 अंक फिसलकर 24,188 के स्तर पर बंद हुआ था। लगातार दूसरे दिन कमजोरी के चलते निवेशकों की नजर अब वैश्विक संकेतों, कंपनियों के तिमाही नतीजों और विदेशी निवेशकों की गतिविधियों पर टिकी हुई है।

चांदी 3034 महंगी होकर 2.26 लाख पर पहुंची: 3 दिन में कीमत 10764 बढ़ी, सोना आज 2,303 बढ़कर 1.43 लाख पर पहुंचा

नई दिल्ली। सोने-चांदी की कीमतों में आज यानी 21 जुलाई को बढ़त है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के मुताबिक, एक किलो चांदी 3,034 रुपए बढ़कर 2.26 लाख रुपए पर पहुंच गई है। वहीं, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 2,303 रुपए चढ़कर 1.43 लाख रुपए पर पहुंच गया है। 3 दिन में सोना 4,281 रुपए और 10,764 रुपए चांदी महंगी हो चुकी है।

इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। सोना 2026 में अब तक 12 हजार रुपए महंगा हुआ है। 31 दिसंबर 2025 को 10द्द सोना 1.33 लाख रुपए के ऊपर था, जो अब 1.45 लाख रुपए पर पहुंच गया है।

वहीं, चांदी की कीमत में 4 हजार रुपए की गिरावट है। चांदी 31 दिसंबर 2025 को 2.30 लाख रुपए किलो थी, जो अब 2.26 लाख रुपए पर है। इस दौरान 29 जनवरी को सोने ने 1.76 लाख रुपए और चांदी ने 3.86 लाख रुपए का ऑलटाइम हाई भी बनाया था।

सोने-चांदी के दाम और बढ़ सकते हैं

कमोडिटी एक्सपर्ट अजय केडिया के मुताबिक सोने-चांदी के दाम अपने हाई से काफी नीचे आ चुके हैं। ऐसे में निवेशक इसमें निवेश कर सकते हैं, हालांकि इनमें एकमुश्त निवेश करने से बचना चाहिए। अजय केडिया के अनुसार साल के आखिर तक सोना एक बार फिर 1.60 लाख और चांदी 2.80 लाख रुपए तक जा सकती है।

कामधेनू

वास्तु शास्त्र में, कामधेनु को शक्ति व ऊर्जा को बढ़ाने के लिए एक प्रतीक या वस्तु के रूप में उपयोग किया जाता है। यहां वास्तु शास्त्र में कामधेनु का उपयोग कैसे किया जा सकता है, उसके कुछ तरीके हैं :-
1. स्थान : अपने घर या कार्यालय के उत्तर-पूर्व दिशा में कामधेनु की मूर्ति या चित्र रखें। यह मान्यता है कि इससे सकारात्मक ऊर्जा का आमंत्रण होता है और इससे सौभाग्य और अनुकूलता बढ़ती है।
2. पूजा कक्ष : अपने पूजा कक्ष में एक छोटी सी कामधेनु मूर्ति या चित्र रखें। मान्यता है कि इससे धार्मिक रीति व पूजा के दौरान आशीर्वाद और सकारात्मक ऊर्जा आती है।
3. धन कोण : यदि आप वास्तु शास्त्र में धन कोण की संकल्पना का पालन करते हैं, तो अपने धन कोण के नजदीक कामधेनु रखने से वित्तीय समृद्धि और सौभाग्य आकर्षित हो सकते हैं।
4. उपहार : कामधेनु घर की गृहप्रवेश या किसी नए व्यापार की शुरुआत में एक आदर्श उपहार हो सकती है।
ध्यान दें, वास्तु शास्त्र एक कई सिद्धांतों का समन्वय है, और कामधेनु उनमें से केवल एक तत्व है। अपनी विशेष आवश्यकताओं और स्थान के आधार पर वास्तु विशेषज्ञ से परामर्श करना बेहतर होगा।
Vastu Guruji
www.vastuguruji.com
RAJ BHAWAN ROAD, CIVIL LINES, RAIPUR (C.G.) 492001

सिंधु ने कमबैक का क्रेडिट विराट को दिया: लिखा- वे मिले और कुछ समझाया, इससे नजरिया बदला; सिंधु ने 2 साल बाद टूर्नामेंट जीता

2 बार की ओलिंपिक मेडलिस्ट पीवी सिंधु ने अपनी दमदार वापसी का क्रेडिट भारतीय क्रिकेटर विराट कोहली को दिया है। उन्होंने 2 दिन पहले शनिवार को जापान ओपन सुपर-750 का खिताब जीता। सिंधु ने करीब 2 साल बाद कोई खिताब जीता था। इससे पहले वे करियर के सबसे मुश्किल दौर से गुजर रही थीं।

31 साल की पीवी सिंधु ने एक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए अपने कमबैक में कोहली की भूमिका का खुलासा किया। उन्होंने बताया कि करियर के सबसे मुश्किल दौर में उन्होंने विराट से सलाह ली थी और उनकी एक सीख ने पूरी सोच बदल दी।

सिंधु ने जापान ओपन के फाइनल में तीन बार की वर्ल्ड चैंपियन अकाने यामागुची को 21-17, 21-17 से हराया। फोटो मेडल सेरेमनी की है। सिंधु ने जापान ओपन के फाइनल में तीन बार की वर्ल्ड चैंपियन अकाने यामागुची को 21-17, 21-17 से हराया। फोटो मेडल सेरेमनी की है।

सिंधु ने लिखा- मैंने लगातार चोटों, खराब प्रदर्शन और मानसिक दबाव के बीच विराट कोहली से संपर्क किया। कोहली ने कुछ ही मिनटों में जवाब दिया और अगले दिन उनसे मुलाकात की। इस दौरान उनके पति वेंकट दत्ता साई भी मौजूद थे।

सिंधु ने कहा- 'चोट के दौरान कई बार आत्मविश्वास डगमगाया, लेकिन मैंने खुद पर भरोसा नहीं खोया। जापान ओपन का यह खिताब केवल एक ट्रॉफी नहीं, बल्कि इस बात का सबूत है कि मेरा सफर अभी खत्म नहीं हुआ है।'

1. कोहली; ट्रॉफी के पीछे भागने के बजाय खेल में खुशी तलाशने की सलाह दी

सिंधु ने कहा कि उस मुलाकात में हुई बातचीत निजी रहेगी, लेकिन विराट की सबसे बड़ी सीख थी कि ट्रॉफी के पीछे भागने के बजाय खेल में दोबारा खुशी तलाशनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अब वह सुबह 5:30 बजे अभ्यास के लिए ट्रॉफी जीतने नहीं, बल्कि खेल के प्रति अपने जुनून की वजह से उठती हैं।

इस मानसिक बदलाव के साथ सिंधु ने अपने खेल में कई सुधार किए। उन्होंने करीब 3.5 किलो वजन कम किया, नेट गेम को मजबूत बनाया, डेटा आधारित ट्रेनिंग अपनाई और इंडोनेशियाई कोच इरवांशाह व स्ट्रेंथ ट्रेनर वेन लोम्बार्ड के साथ फिटनेस पर विशेष काम किया।

2. पति वेंकट दत्ता; वापसी के लिए मेंटली तैयार किया

पैर के लिगामेंट की चोट के बाद डॉक्टर दिनशॉ परदीवाला ने सिंधु को पूरा आराम करने की सलाह दी। इसके बाद दत्ता साई उन्हें अमेरिका के अटलांटा ले गए। जहां परिवार के बीच रहकर मानसिक रूप से सिंधु ने खुद को फिर से तैयार किया।

फुटबॉल वर्ल्ड कप चैम्पियन स्पेन को तीन मेजर अवॉर्ड्स: गोल्डन बॉल, ग्लव और बेस्ट यंग प्लेयर का मिला खिताबं

स्पेन ने 2026 फीफा वर्ल्ड कप के तीन अहम व्यक्तिगत अवॉर्ड्स भी अपने नाम किए। मिडफील्ड के उस्ताद रोड्री ने शानदार खेल के लिए गोल्डन बॉल जीता। गोलकीपर उनाई सिमोन ने गोल्डन ग्लव हासिल किया, जिन्होंने 7 मैचों में बिना गोल खाए रिकॉर्ड बना दिया। इससे पहले कोई खिलाड़ी ऐसा 5 से ज्यादा बार नहीं कर पाया था। वहीं, 19 साल के युवा सनसनी पाउ कुबारसी ने बेस्ट यंग प्लेयर का अवॉर्ड जीता।

ऐसा सिर्फ दूसरी बार हुआ, जब चैम्पियन टीम ने ये तीन मेजर अवार्ड्स भी जीते। 2022 में अर्जेंटीना ने भी ऐसा किया था।

रोड्री - करोड़पति खिलाड़ी, लेकिन आम इंसान जैसी जिंदगी, सेकंड हैंड कार खरीदी

30 साल के रोड्री सादगी के लिए मशहूर हैं। स्पेन के टॉप लेवल फुटबॉल में खेलने के बावजूद उन्होंने कॉलेज की पढ़ाई पूरी करने के लिए एक सामान्य यूनिवर्सिटी हॉस्टल में रहना जारी रखा। दिखावे की जिंदगी से दूर, उन्होंने एक बुजुर्ग महिला से पुरानी कार खरीदी थी। उनका मानना है कि कार का मकसद सिर्फ एक जगह से दूसरी जगह जाना है, दिखावा करना नहीं। रोड्री सोशल मीडिया से दूर रहते हैं। उनके शरीर पर कोई टैटू नहीं है। मॉडर्न और फैशनेबल फुटबॉलर्स के बीच वह पुराने जमाने के दिग्गजों की तरह हमेशा अपनी जर्सी (शर्ट) शॉर्ट्स के अंदर (टक-इन) करके खेलते हैं। उनकी गर्लफ्रेंड लौरा कोई सुपरमॉडल नहीं बल्कि मेडिकल की छात्रा हैं। दोनों की मुलाकात यूनिवर्सिटी हॉस्टल में ही हुई थी।

गुरुग्राम में डॉक्टर के बेटे पर गिरा बास्केटबॉल पोल,: प्रैक्टिस मैच में हादसा, रीढ़ की हड्डी में 3 फ्रैक्चर; 2 खिलाड़ियों ने भागकर बचाई अपनी जान

गुरुग्राम। हरियाणा के गुरुग्राम में सेक्टर-84 स्थित हाईक्लास सोसायटी अंतरिक्ष हाइट्स में बड़ा हादसा हो गया। सोसायटी के बास्केटबॉल कोर्ट में प्रैक्टिस मैच खेल रहे खिलाड़ियों के ऊपर अचानक लोहे का भारी-भरकम बास्केटबॉल पोल गिर गया।

दो खिलाड़ियों ने तो कूद कर अपनी जान बचा ली, जबकि डॉक्टर का 22 वर्षीय बेटा इसकी चपेट में आ गया। अचानक हुए हादसे से कोर्ट में अफरा तफरी मच गई। वहां मौजूद लोग और अन्य खिलाड़ियों ने किसी तरह पोल के नीचे दबे बच्चे को निकाला और अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टरों के मुताबिक, बच्चे की पीठ पर गंभीर चोट आई है। उनकी रीढ़ की हड्डी में तीन अलग-अलग स्थानों पर फ्रैक्चर हुए हैं।

इससे पहले रोहतक में 750 किलोग्राम का बास्केटबॉल पोल गिरने से नेशनल प्लेयर हार्दिक की मौत हो चुकी है। झज्जर के बहादुरगढ़ में भी एक खिलाड़ी की इसी तरह मौत हुई थी।

उधर, गुरुग्राम की घटना को गंभीरता से लेते हुए हरियाणा ओलिंपिक एसोसिएशन ने उपायुक्त और हरियाणा के रजिस्ट्रार ऑफ सोसायटीज को पत्र भेजकर सभी सार्वजनिक खेल परिसरों और ग्रुप हाउसिंग सोसायटियों में स्थापित खेल ढांचे की तत्काल सुरक्षा जांच कराने की मांग की है। बास्केटबॉल कोर्ट में चल रहा था प्रैक्टिस मैच : घटना सोमवार शाम करीब 7:15 बजे की है, जब सोसायटी के बच्चे रोज की तरह बास्केटबॉल कोर्ट में प्रैक्टिस मैच खेल रहे थे। खेल के दौरान ही अचानक लोहे का पोल नीचे आ गिरा। पोल कार्तिक के ऊपर गिरा, जिससे वह लहूलुहान होकर वहीं गिर पड़े। मौके पर चीख-पुकार मचते ही सोसायटी के सुरक्षाकर्मी और वहां मौजूद लो तुरंत दौड़कर पहुंचे।

रीढ़ की हड्डी में तीन स्थानों पर फ्रैक्चर : घायल कार्तिक को आनन-फानन में नजदीक के आरवी सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका आपातकालीन वार्ड में डॉक्टरों की देखरेख में उपचार चल रहा है। डॉक्टरों के मुताबिक, हादसे में कार्तिक की पीठ पर गंभीर चोट आई है और उनकी रीढ़ की हड्डी में तीन अलग-अलग स्थानों पर फ्रैक्चर हुए हैं। उनकी हालत नाजुक लेकिन स्थिर बनी हुई है।

चेन्नई ग्रैंड मास्टर्स में वर्ल्ड चैंपियन गुकेश की लगातार दूसरी हार; हॉकी 5s एशियन चैंपियनशिप में भारत ने पाकिस्तान को 7-4 से हराया

चेन्नई ग्रैंड मास्टर्स-2026 चेस टूर्नामेंट के छठे राउंड में मंगलवार को एम प्रनेश ने वर्ल्ड चैंपियन डी गुकेश को 39 चालों में हराया। टूर्नामेंट में यह गुकेश की लगातार दूसरी हार है। वहीं, निहाल सरीन ने अर्जुन एरिगैसी को 60 चालों में हराया। इस हार के बाद अर्जुन दूसरे स्थान पर खिसक गए, जबकि फ्रांस के अलीरेज़ा फिरोजा 4 अंकों के साथ अकेले टॉप पर पहुंच गए। नोदिरबेक अब्दुसातोरोव भी 3.5 अंकों के साथ अर्जुन के साथ संयुक्त दूसरे स्थान पर हैं।

गुकेश पूरे मुकाबले में कई बार गलत कैलकुलेशन कर बैठे, जिसका फायदा उठाते हुए प्रनेश ने टूर्नामेंट की अपनी पहली जीत दर्ज की। दूसरी ओर, ड्रॉ की ओर बढ़ रहे मुकाबले में निहाल ने शानदार रुक सैक्रिफाइस खेलकर बाजी अपने पक्ष में कर ली और एरिगैसी ने 60 चालों के बाद हार स्वीकार कर ली।

एफआईएच यूथ हॉकी 5ह्य एशियन चैंपियनशिप-2026 में भारतीय सब-जूनियर पुरुष और महिला टीमों का शानदार प्रदर्शन जारी है। मंगलवार को एलीट पूल मुकाबलों में पुरुष टीम ने पाकिस्तान को 7-4 और मेजबान ओमान को 14-0 से हराया। वहीं महिला टीम ने चीन के खिलाफ 2-2 से ड्रॉ खेलने के बाद उज्बेकिस्तान को 16-0 से मात दी। इन नतीजों के साथ भारत की दोनों टीमें टूर्नामेंट में अजेय हैं और यूथ हॉकी 5ह्य वर्ल्ड कप में जगह बनाने के करीब पहुंच गई हैं।

पाकिस्तान के खिलाफ करण गौतम ने हैट्रिक लगाई, जबकि राहुल यादव, प्रह्लाद राजभर, कप्तान केतन कुशवाहा और रोमित पाल ने एक-एक गोल किया। इससे पहले ओमान पर 14-0 की जीत में केतन ने चार और आशीष तानी पूर्ति ने तीन गोल दागे।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की पहल

स्वस्थ माताएं, स्वस्थ बच्चे और कुपोषण मुक्त छत्तीसगढ़ के लिए बनेगी समन्वित रणनीति

यूनिसेफ के तकनीकी सहयोग से सभी संबंधित विभाग मिलकर तैयार करेंगे प्रभावी कार्ययोजना

स्वस्थ माताएं और स्वस्थ बच्चे ही विकसित छत्तीसगढ़ की सबसे मजबूत नींव : मुख्यमंत्री

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से आज मंत्रालय महानदी भवन में भारत में यूनिसेफ की प्रतिनिधि सिंथिया मैककैफ्रे ने शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, कुपोषण उन्मूलन तथा बच्चों के समग्र विकास को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य तथा बच्चों के पोषण को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है और इन क्षेत्रों में स्थायी सुधार के लिए सभी विभागों के समन्वित प्रयास आवश्यक हैं। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि स्वस्थ माताएं और स्वस्थ बच्चे ही विकसित छत्तीसगढ़ की सबसे मजबूत नींव हैं। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, महिला एवं बाल विकास, पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा आदिम जाति विकास विभाग सहित सभी संबंधित विभाग यूनिसेफ के तकनीकी सहयोग से एक समन्वित और परिणामोन्मुख कार्ययोजना तैयार करें, जिससे शिशु मृत्यु दर, मातृ मृत्यु दर और कुपोषण में कमी लाई जा सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि योजनाओं का प्रभाव तभी बढ़ेगा, जब विभिन्न विभाग साझा लक्ष्य और समन्वित कार्यप्रणाली के साथ काम करेंगे। उन्होंने अधिकारियों से ऐसी मल्टी-सेक्टोरल रणनीति तैयार करने को कहा, जिससे स्वास्थ्य एवं पोषण संबंधी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक प्रभावी रूप से पहुंचे और बच्चों के पोषण स्तर में गुणात्मक सुधार सुनिश्चित हो।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने सुश्री सिंथिया मैककैफ्रे का शॉल एवं छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक पहचान के प्रतीक 'नंदी' भेंट कर आत्मीय स्वागत किया। वहीं सुश्री मैककैफ्रे ने भारत में यूनिसेफ के 75 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में भारतीय डाक विभाग द्वारा जारी विशेष स्मारक डाक टिकट मुख्यमंत्री को भेंट किया। यूनिसेफ की भारत प्रतिनिधि सुश्री सिंथिया मैककैफ्रे ने मुख्यमंत्री का जय जोहार कहकर अभिवादन किया। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ प्राकृतिक सौंदर्य, समृद्ध संस्कृति और सरल-सहज लोगों का प्रदेश है। उन्होंने बताया कि यूनिसेफ लंबे समय से राज्य सरकार के साथ मिलकर मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, पोषण और बाल संरक्षण के क्षेत्र में कार्य कर रहा है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि राज्य सरकार और यूनिसेफ के संयुक्त प्रयासों से प्रदेश के बच्चों का भविष्य अधिक सुरक्षित, स्वस्थ और समृद्ध बनेगा। बैठक में मंत्रिमंडल के सदस्य, मुख्य सचिव श्री विकासशील, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव श्री सुबोध कुमार सिंह, छत्तीसगढ़ में यूनिसेफ की प्रमुख सुश्री सीमा कुमार, श्री अनिल गुलाटी तथा डॉ. बाल पारितोष दास उपस्थित थे।

राज्य में 33.50 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में लक्ष्य का 69 प्रतिशत बोनी पूर्ण

रायपुर। प्रदेश में मानसून के दस्तक के साथ ही खेती किसानी का कार्य जोरों पर हैं। राज्य में 22 जुलाई की स्थिति में राज्य के 33.50 लाख हेक्टेयर क्षेत्रों में लक्ष्य का 69 प्रतिशत बोनी हो चुकी है। इस खरीफ सीजन में 48.69 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में बोनी का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने किसानों को खेती-किसानी में सहुलियतें प्रदान करने के लिए सभी आवश्यक सहयोग करने संबंधित अधिकारियों निर्देशित किए गए हैं। उन्होंने किसानों को उनकी मांग के अनुसार सुगमता के साथ प्रमाणित खाद-बीज का वितरण करने को कहा हैं। खाद-बीज वितरण व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही पर कड़ी कार्यवाही करने के भी निर्देश दिए हैं। साथ ही सोसायटियों में पर्याप्त खाद-बीज का भण्डारण कर सतत निगरानी करने को कहा गया है। कृषि विकास एवं किसान कल्याण मंत्री श्री रामविचार नेताम के मार्गदर्शन में कृषि विभाग के अधिकारियों द्वारा इन पर निरंतर निगरानी रखी जा रही है। कृषि विभाग के अधिकारियों ने बताया कि प्रदेश के किसानों को अब तक 9.22 लाख मीट्रिक टन खाद और 4.12 लाख क्विंटल प्रमाणित बीज का वितरण किया जा चुका है। अधिकारियों ने बताया कि प्रदेश में मानसून की बौछारों के साथ शुरू हुए खेती-किसानी में बोनी का रकबा भी निरंतर बढ़ते जा रहा है।

जिले के उभरते क्रिकेट सितारों का महामुकाबला

110 खिलाड़ियों ने आजमाया दम, पीएम श्री स्कूल मैदान में अंडर-14, 17 व 19 वर्ग का जिला स्तरीय चयन ट्रायल सम्पन्न

गरियाबंद। स्कूल शिक्षा विभाग के तत्वावधान में मंगलवार को पीएम श्री स्कूल, गरियाबंद के खेल मैदान में जिला स्तरीय क्रिकेट ट्रायल का आयोजन किया गया। ट्रायल में जिले के चारों विकासखंड—गरियाबंद, मैनपुर, छुरा और फिंगेश्वर—से चयनित खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। जिला स्तरीय चयन परीक्षण में अंडर-14, अंडर-17 एवं अंडर-19 आयु वर्ग के लगभग 110 बालक खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। वहीं, बालिका वर्ग में भी गरियाबंद, मैनपुर, छुरा और फिंगेश्वर से बड़ी संख्या में खिलाड़ी ट्रायल देने पहुंचीं। खिलाड़ियों के प्रदर्शन का मूल्यांकन तकनीकी समिति द्वारा बल्लेबाजी, गेंदबाजी, फील्डिंग एवं शारीरिक दक्षता के आधार पर किया गया। गौरतलब है कि 10 जुलाई को चारों विकासखंडों में विकासखंड स्तरीय ट्रायल आयोजित किए गए थे। इनमें चयनित खिलाड़ियों को जिला स्तरीय ट्रायल के लिए आमंत्रित किया गया, जहां उनके प्रदर्शन के आधार पर आगामी राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं के लिए संभावित टीम का चयन किया जाएगा।

ट्रायल के दौरान खिलाड़ियों में चयन को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला। खेल मैदान में पूरे दिन प्रतिस्पर्धात्मक माहौल बना रहा और खिलाड़ियों ने अपनी खेल प्रतिभा का बेहतरीन प्रदर्शन किया। ट्रायल को सफल बनाने में नोडल अधिकारी संजीव साहू, सूरज महादिक, देवेंद्र वंजारी , नंद कुमार रात्रे, निलेश देवांगन, खुमेश साहू, दानवीर साहू, देवेंद्र पांडे, महेंद्र राजपूत, महेंद्र यादव, एस. नारायण, जीतू सेन, डोमेश्वर ध्रुव, पंकज साहू तथा गोप कुमार वत्सल गुप्ता (मैनपुर) सहित अन्य खेल अधिकारियों एवं शिक्षकों का विशेष सहयोग रहा।

चयन समिति ने बताया कि ट्रायल में प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों की सूची तैयार कर नियमानुसार अगले चरण की चयन प्रक्रिया पूरी की जाएगी। जिले के उभरते क्रिकेट खिलाड़ियों के लिए यह ट्रायल अपनी प्रतिभा साबित करने का महत्वपूर्ण अवसर साबित हुआ।

स्वतंत्र एटीएमए जिला बनने की दिशा में मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले की बड़ी पहल

रायपुर। मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले को स्वतंत्र एग्रीकल्चर टेक्नोलॉजी मैनेजमेंट एजेंसी (एटीएमए) जिला बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल शुरू हो गई है। जिला कलेक्टर एवं आत्मा योजना के अध्यक्ष के मार्गदर्शन में कृषि विभाग द्वारा संचालित केंद्र प्रवर्तित एक्सटेंशन रिफॉर्म (एटीएमए) योजना के अंतर्गत जिले की स्ट्रेटेजिक रिसर्च एंड एक्सटेंशन प्लान (एसआरईपी) तैयार करने के लिए चयनित तीन ग्रामों में पार्टिसिपेटरी रूरल एप्रेजल (पीआरए) सर्वेक्षण सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिया गया है। यह सर्वेक्षण जिले की वास्तविक कृषि आवश्यकताओं, चुनौतियों और संभावनाओं के आधार पर भविष्य की कृषि विकास रणनीति तैयार करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। सर्वेक्षण विकासखंड मोहला के ग्राम रेंगाकठेरा, विकासखंड मानपुर के ग्राम बसेली तथा विकासखंड अंबागढ़ चौकी के ग्राम बागनारा में कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन एवं मत्स्य विभाग के अधिकारियों की संयुक्त टीम द्वारा किया गया। इस दौरान किसानों, महिला समूहों एवं ग्रामीणों की सक्रिय सहभागिता से कृषि एवं ग्रामीण विकास से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत जानकारी एकत्रित की गई। पीआरए सर्वेक्षण के दौरान ग्रामीणों ने गांव की सामाजिक एवं सांस्कृतिक संरचना, प्राकृतिक संसाधनों की उपलब्धता, कृषि एवं सिंचाई व्यवस्था, बीज एवं उर्वरकों की उपलब्धता, विपणन व्यवस्था, सड़क एवं परिवहन, नहर-नालों, चारागाह, वन एवं जैव विविधता सहित अनेक विषयों पर अपने अनुभव साझा किए। ग्रामीणों की सहभागिता से सामाजिक मानचित्र, संसाधन मानचित्र, भूमि उपयोग मानचित्र, फसल चक्र, भू-जल स्तर, कीट एवं रोग प्रबंधन तथा विभिन्न विभागों के समन्वय को दर्शाने वाले वेन डायग्राम सहित अन्य पीआरए चार्ट भी तैयार किए गए।

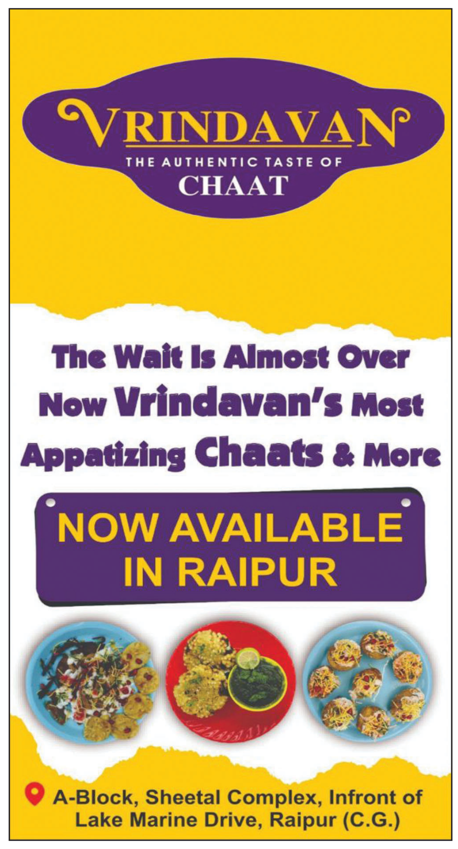

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक - **करण सिंह होरा** द्वारा आसमां पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड. जयस्तंभ चौक रायपुर, जिला-रायपुर (छत्तीसगढ़) से मुद्रित कर लक्ष्मी निवास नल घर चौक, अहमद जी भाई कालोनी रायपुर, जिला रायपुर (छत्तीसगढ़) पिन-492001 से प्रकाशित. **संपादक- करन सिंह होरा** मो. - 9669000000 CHHBIL/2023/88684